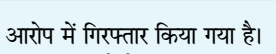
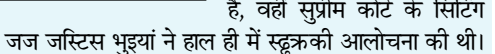




तमिलनाडु में टीचर ने इंस्टाग्राम पर नाबालिग छात्रा से किया संपर्क, घर बुलाकर किया यौन शोषण



इसमें कुछ भी गलत नहीं, SIR पर दो खेमों में बंटी जुडिशरी?



उन्हींने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने (जस्टिस भुइयाँ) ने कोई सीमा पार की है। बल्कि, मुझे लगता है कि उन्होंने युवा छात्रों को व्यक्त मताधिकार और लोकतंत्र में इसके महत्व के बारे में बताया है, मुझे इसमें कुछ भी गलत नहीं लगता। असल में, व्यक्तिगत रूप से मुझे लगता है कि अगर जज एक नागरिक के तौर पर इस प्रक्रिया के बारे में बात करते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है।

17,500 फीट की ऊंचाई पर भारतीय सेना, चीन सीमा

नई दिल्ली/ जीएनएस। भारतीय सेना ने 225 फर्स्ट-पर्सन व्यू ड्रोन का एक ऑर्डर दिया है। यह फेसला कड़े मूल्यांकन और कड़े मैदानी परीक्षणों के बाद लिया गया है, जिनमें 17500 फीट तक की अत्यधिक ऊंचाई पर इनका सफल परीक्षण किया गया था।

वैसे तो यह ऑर्डर संख्या के लिहाज से बहुत बड़ा नहीं है, लेकिन जिस कठिन परिस्थिति और ऊंचाई पर इन ड्रोनों का परीक्षण और चयन किया गया है, वह इसे बेहद खास बनाता है। इन ड्रोनों को उनकी सहनशक्ति, सटीकता, रफ़्तार और उच्च पहाड़ी इलाकों में काम करने की क्षमता के आधार पर परखा गया

है। इस बात को ऐसे समझ सकते हैं कि चीन वास्तविक नियंत्रण रेखा पाकिस्तान के साथ नियंत्रित भारतीय सैनिक 12000 18000 फीट से अधिक पर तैनात हैं।



नहीं, SIR पर धरती?

ता कि उन्होंने (जस्टिस
ल्कि, मुझे लगता है कि
धेकार और लोकतंत्र में
मुझे इसमें कुछ भी गलत
प से मुझे लगता है कि
प्रक्रिया के बारे में बात
है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुंबई में आयोजित 'मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं और 'संवाद' कार्यक्रम में विभिन्न सेक्टरों में निवेशकों से भी मुलाकात की। उन्होंने निवेश योजनाओं और औद्योगिक विस्तार पर चर्चा करते हुए प्रतिनिधियों को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट - 2027 में सहभागिता के

क आमंत्रित किया। अक्षय र

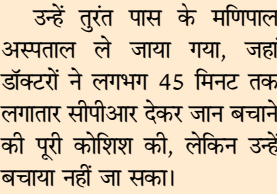
जन	जेएसडब्ल्यू समूह ने सीमेंट, पेंट और	समूह वर्ष 2
पर क	अन्य व्यवसायों के विस्तार में दिखाई रचि-	है। नीचम चर्च
न	मुष्करीनाई चै। यादव से जेएसडब्ल्यू समूह के	पार्क में 28
पेश	श्री पार्थ जिंदल ने प्रदेश में समूह की मौजूदा	इसकी मौजूदा
ईस	औद्योगिक उपस्थिति और विस्तार योजनाओं	समूह ने
र्ष	पर चर्चा की। समूह की गतिविधियों में	परियोजनाएं
नए	नवाचित में पेंट, धार में इस्पात, पत्रा में चूना	रूपयेका प्रस

कुल 2,362 मेगावाट क्षमता की
के लिए 22,156 करोड़
व प्रस्तुत किया। इसमें पचोरा में

कंपनी ने 2 फार्मा परियोजनाओं के लिए 1,200 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश प्रस्ताव दिया, जिनसे 800 से अधिक रोजगार अवसर सृजित होने की संभावना है। इनमें मौजूदा पीथमपुर इकाई का द्वितीय चरण का

कंपनी ने सफ एक्सेल और व्हील के लिए नई स्प्रैड-ड्राइव डिज़ेंट विनिर्माण सुविधा में भूमि की लागत को छोड़कर 800 से 1,000 करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव दिया। वर्ष 2027 से 2030 के बीच चरणबद्ध विकास और 5 से 8 लाख टन वार्षिक उत्पादन क्षमता प्रस्तावित है। इससे लगभग 700 प्रत्यक्ष और 1,500 अप्रत्यक्ष रोजगार अवसरों के सृजित होने की संभावना है।

**नाना पाटेकर की मौत
के बाद दर्ज हुआ
मेडिको-लीगल केस**



मणिपाल अस्पताल के
ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ.
शेखर सालकर ने इसकी पुष्टि की है।
समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट
के मुताबिक अस्पताल ने इस मामले
में मेडिको-लीगल केस (रख) दर्ज
किया है और अब पोस्टमार्टम कराया
जाएगा। डॉक्टरों ने शुरुआत में
काल्पनिक अरेस्ट को मृत्यु का कारण
बनाया, फिर भी मेडिको-लीगल केस
दर्ज करने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या
इससे नाना पाटेकर की मौत सदेहायस
लगती है? जरूरी नहीं कि ऐसा हो।
एमएलसी दर्ज कराना अपने आप में
अपराध या सदेहायस मौत का प्रमाण
नहीं होता है। कई स्थितियों में
अस्पताल कानूनी नियमों के अनुसार
एमएलसी दर्ज करते हैं ताकि मौत की
परिस्थितियों और कारण का
आधिकारिक दस्तावेज तैयार किया
जा सके।

कम होगा और जब वोट का कोई मतलब नहीं रह जाएगा, तो सड़कों पर विरोध का बढ़ेगा। कड़े शब्दों वाले इस पत्र में कहा गया है, अशांति की शुरुआत एक नैरेटिव से होती है। फिर अराजक और चमत्कारी तत्व उस खाली जगह पर कब्जा कर लेते हैं।

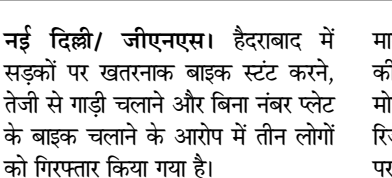
पर गहरी चिंता के वोट चोरी ही स्पेथोनामिक मिलीभगत वाला है।

पत्र में लि

समय में आया है जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और वॉटर लिस्ट में बदलाव को लेकर विविध विचार विरोध कर रहा है। रिटायर्ड जजों ने चुनाव आयोग, न्यायपालिका और दूसरी संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने के लिए चला रहे अभियान कहते हैं। उन्होंने बिना किसी सबूत आरोपों पर सवाल उठाए हैं साथ अधिकारियों को बार-बार चोर और बताने के खिलाफ चेतावनी दी है, हम यह इसलिए लिख रहे हैं

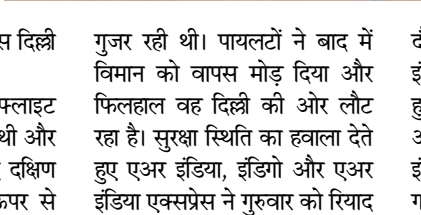
क्योंकि ऐसे समय में चुप रहना कोई न्यूरल विकल्प नहीं है। हमारी चिंता गंभीर है। भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार हमले हो रहे हैं। इसमें आगे कहा गया, इस हमले के केंद्र में भारत का चुनाव आयोग है। यहाँ तक कि उच्च न्यायापालिका, जिसका हम बहुत सम्मान करते हैं और वैधानिक जर्जोसियों को भी नहीं बख्शा गया है। जजों ने जोर देकर कहा कि ऐसा लगता है कि यह निहित राजनीतिक हितों से प्रेरित एक सुनिश्चित अभियान है, जिसमें दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के अजिम्जर करने के संभावित विनाशकारी परिणामों की कोई परवाह नहीं की गई है। वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटीसिव रिविजन (स्टूक) का बचाव करते हुए, पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले जजों ने कहा कि यह कानूनी रूप से तो प्रक्रिया है, जिसका मकसद साफ और सही वोटर लिस्ट तैयार करना है।

**सऊदी में कई ब्लास्ट, किंग खालिद एयरपोर्ट करना
पड़ा बंद; Air इंडिया की फ्लाइट दिल्ली रिटर्न**



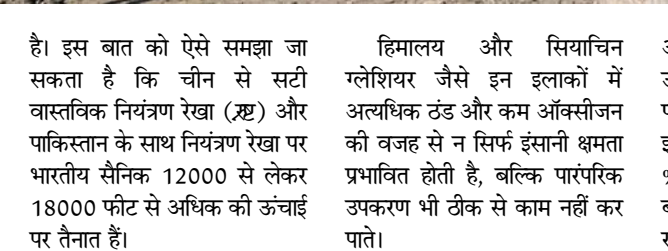
शिकायत मिलने पर पुलिस ने तलाश किया और उनकी तलाश शुरू की। आरोपियों की पहचान मोहम्मद नसीरुद्दीन उर्फ मोहिन (24), मोहम्मद नसीरुद्दीन (21) और तौहीद (19) के तौर पर हुई। बाद में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

एअर इंडिया की फ्लाइट
टू 2243 दिल्ली से खाना हुई थी और
गुजरात के ऊपर से होते हुए दक्षिण
की ओर अरब सागर के ऊपर से



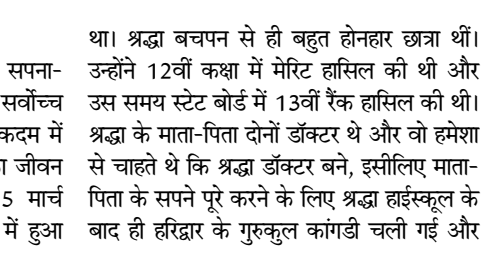
गुजर रही थी। पायलटों ने बाद में विमान को वापस मोड़ दिया और फिलहाल वह दिल्ली की ओर लौट रहा है। सुरक्षा स्थिति का हवाला देते हुए एअर इंडिया, इंडिगो और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को रियाद

BAMS डॉक्टर से IRS कमिश्नर बनने तक, अल्मोड़ा की बेटी श्रद्धा जोशी ने दिया सफलता का मंत्र



ऐसे में दूर-दराज की इन चौकियों पर रसद और सामान पहुंचाने के लिए गैरपरिचित रूप से पैसल सैनिकों, खच्चरों या पुंगुने हो चुके चीता हेलीकॉप्टरों पर निर्भर रहना पड़ता है। हालांकि, हेलीकॉप्टरों से सामान पहुंचाना महंगा, मौसम पर निर्भर और धीमा होता है। ऐसे में ड्रोन एक तेज, किफायती और सुरक्षित विकल्प बनकर उभरे हैं। सेना पहले ही ५%अंशनी प्लांट-५% जैसी छोटी सामरिक इकाइयों से लेकर बड़े ५%बैटलफील्ड तक एसपोर्ट५% रणनीतिगत तैयार कर चुकी है।

डॉक्टर से ब्रह्म ऑफिसर बनने उत्तराखंड के पहाड़ों से निकलकर देश प्रशासनिक सेवाओं तक पहुंचने और अपने पति का सहारा बनने वाली श्रद्धा भी आसान नहीं रहा। श्रद्धा का जन्म 1979 को उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले में हुआ था।



वहां से आर्युवेदिक मोडिसिन एंड सर्जरी की डिग्री हासिल की।

इस पुरा करने के बाद श्रद्धा ने उत्तराखंड के एक अस्पताल में डॉक्टर के तौर पर काम करना शुरू कर दिया। अस्पताल में काम करते वक्त उन्हें एहसास हुआ कि उनका असली झुकाव सिविल सर्विस की ओर है।

अपने सपने को पूरा करने के लिए श्रद्धा दिल्ली के मुखर्जी नगर आ गई और यहीं एक कक्षा कोचिंग सेंटर में उनकी मुलाकात मनोज कुमार शर्मा से हुई थी। श्रद्धा की साहित्य में रुचि को देखते ए एक शिक्षक ने ही मनोज शर्मा से उनका परिचय था।

जब श्रद्धा को पता चला की 12वीं कक्षा में नल होने के बाद भी मनोज ने बिना किसी कोचिंग केंद्र प्रीलिम्स की परीक्षा पास कर ली, तो वह ननके आत्मविश्वास से बेहद प्रभावित हुई।

संभागायुक्त भास्कर लाक्षाकार और कलेक्टर ने एलिवेटेड कॉरिडोर का किया निरीक्षण

सत्य साईं चौराहे पर निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर ब्रिज आगामी दिसम्बर तक पूर्ण करने के लिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने आज नवलखा से एलआईजी चौराहा तक 6 किलोमीटर में बनने वाले एलिवेटेड कॉरिडोर का निरीक्षण किया। साथ ही सत्य साईं चौराहे पर ?निर्माणाधीन फ्लाईओव्हर ब्रिज का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल एवं निर्माण एंजेंसी के अधिकारी शामिल थे।



निरीक्षण के दौरान संभागायुक्त श्री लाक्षाकार और कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने एलिवेटेड कॉरिडोर और फ्लाईओव्हर ब्रिज की प्रगति रिपोर्ट देखी और समीक्षा की। बताया गया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार एलआईजी एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस कॉरिडोर के बन जाने से एक लाख से अधिक वाहनचालकों को इसका फायदा मिलेगा और यातायात सुगम होगा। राजीव गांधी प्रतिमा से वाहन चालक सीधे एलआईजी कॉरिडोर तक आ सकेंगे, साथ ही इतनी लम्बी दूरी को तय

करने में समय भी कम लगेगा। संभागायुक्त श्री भास्कर लाक्षाकार ने बताया गया कि एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण कार्य शिवाजी वाटिका चौराहा पर प्रारंभ हो गया है। दीपावली के बाद नवलखा चौराहा पर भी कार्य शुरू किया जाएगा। वाहनों चालकों को यातायात में बाधा नहीं आए, इसके लिए आवश्यकतानुसार ट्रैफिस डायवर्सन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि हमारी कोशिश है कि सत्य साईं चौराहे पर निर्माणाधीन फ्लाई ओव्हर ब्रिज आगामी दिसम्बर तक पूर्ण कर लिया जाएगा। इस फ्लाई ओव्हर ब्रिज का निर्माण एम्पीआईडीसी द्वारा किया जा रहा है।



जहां लंबे समय से कचरा जमा होने से स्वच्छता के साथ रेल परिचालन और सुरक्षा प्रभावित होने की संभावना रहती है।

अभियान के तहत स्टेशन यार्ड की सीमाओं और नगरीय क्षेत्रों से होकर गुजरने वाले रेलवे ट्रैक के चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 8 अक्टूबर को मंडल के विभिन्न रेलवे परिसरों में लंबे समय से जमा पुराने कचरे, प्लास्टिक, स्कैप और उगी हुई झाड़ियों को हटाकर व्यापक स्तर पर सफाई की गई। अभियान के दौरान स्वच्छता के साथ रेलवे परिसरों की सुरक्षा और रेल परिचालन को सुनिश्चित बनाए रखने पर भी विशेष जरा दिया गया।

पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल के जनसंपर्क अधिकारी श्री मुकेश कुमार द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह अभियान केवल बड़े स्टेशनों तक सीमित नहीं है, बल्कि मंडल के छोटे और महत्वपूर्ण सभी स्टेशनों पर भी विशेष स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। ऐसे स्थानों को प्राथमिकता के आधार पर चिन्हित किया जा रहा है,

शासकीय मंदिर की भूमि में से कॉलोनी के लिए दिया अवैध रास्ता हटाया, पुजारी को पद से पृथक किया

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा शासकीय एवं सार्वजनिक भूमि पर अतिक्रमण तथा अवैध गतिविधियों के विरुद्ध कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में आज ग्राम माचला, तहसील राऊ स्थित खेड़ापति हनुमान मंदिर की शासकीय भूमि से कॉलोनी के लिए बनाए गए अवैध रास्ते अतिक्रमण हटाकर मंदिर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। अवैध कालोनी विकसित करने का प्रकरण भी दर्ज किया जा रहा है।



संयुक्त कलेक्टर एवं एसडीएम राऊ श्री लोकेन्द्र सिंह सरल ने बताया कि सर्वे नंबर 85, रकबा 0.089 हेक्टेयर, खेड़ा पति हनुमान मंदिर की भूमि है। उक्त भूमि से मंदिर के पुजारी द्वारा समीप स्थित सर्वे नंबर 204/3 में विकसित की जा रही कॉलोनी तक पहुंचने के लिए अवैध रास्ता उपलब्ध कराया गया था। प्रशासन द्वारा मौके पर कार्रवाई करते

हुए उक्त अवैध रास्ते को हटाकर शासकीय मंदिर की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। प्रशासन द्वारा मामले में संबंधित पुजारी को पद से पृथक करने की कार्रवाई भी की गई है। इसके साथ ही सर्वे नंबर 204/3 में विकसित की जा रही कॉलोनी के संबंध में अवैध कॉलोनी का प्रकरण भी नियमानुसार कार्रवाई के लिए भेजा गया है।

एसडीएम श्री सरल ने बताया कि शासकीय एवं धार्मिक संस्थाओं की भूमि का किसी भी प्रकार से निजी उपयोग अथवा अवैध कॉलोनी के लिए रास्ते के रूप में उपयोग किए जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

महू में जल चौपाल, किसानों ने रखे जल संरक्षण और सिंचाई से जुड़े सुझाव



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत महू स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर सामाजिक विज्ञान विश्वविद्यालय में जल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों ने जल संरक्षण, सिंचाई व्यवस्था और क्षेत्र की जल संबंधी समस्याओं को लेकर अपने सुझाव और आवश्यकताएं सामने रखीं।

जल चौपाल में कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि महू विधायक ऊषा ठाकुर ने कार्यक्रम का अध्यक्षता की। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवणसिंह चावड़ा और जिला पंचायत अध्यक्ष रीना सतीश मालवीय विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान किसानों ने क्षेत्र में जल संरक्षण को बढ़ावा देने, सिंचाई व्यवस्था को बेहतर बनाने और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ किसानों तक पहुंचाने से जुड़े सुझाव मंत्री प्रहलाद पटेल के समक्ष रखे। किसानों ने अपने क्षेत्र की जल संबंधी समस्याओं और आवश्यकताओं से भी अवगत कराया। मंत्री प्रहलाद पटेल ने किसानों की बातों को गंभीरता से सुना और उनके द्वारा दिए गए सुझावों पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। यातायात नियमों के पालन के साथ सड़क सुरक्षा के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए इंदौर यातायात पुलिस लगातार नए प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में इस बार बच्चों की सुरक्षित यात्रा को केद्र में रखते हुए विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अभियान के माध्यम से अभिभावकों को दोपहिया वाहन पर बच्चों को ले जाते समय आवश्यक सावधानियों और सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के दिशा-निर्देशन में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त यातायात श्री राजेश त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात निरीक्षक सोनाली मौर्य और उनकी



टीम अभिभावकों को बच्चों की सुरक्षा के प्रति जागरूक कर रही है। अभियान का उद्देश्य यातायात नियमों के पालन के साथ ही बच्चों को दोपहिया वाहनों पर सुरक्षित तरीके से ले जाने के

लिए अभिभावकों को व्यावहारिक जानकारी देना है। यातायात पुलिस के मुताबिक अक्सर देखा जाता है कि अभिभावक छोटे बच्चों को दोपहिया वाहन पर आगे पेट्रोल टंकी के पास या स्कूटी के आगे बैठकर सफर करते हैं। कई बार बच्चे वाहन के पीछे बिना किसी उचित सुरक्षा व्यवस्था के बैठए जाते हैं। ऐसी स्थिति में अचानक ब्रेक लगने,

वाहन का संतुलन बिगड़ने अथवा बच्चे के नींद में होने की स्थिति में दुर्घटना का खतरा काफी बढ़ जाता है। छोटे बच्चों के लिए इस तरह की यात्रा विशेष रूप से जोखिम भरी हो सकती है।

Google पर Credit Card Activation नंबर सर्च करना पड़ा महंगा, 50 हजार की साइबर ठगी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। Google पर क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन के लिए Customer Care नंबर सर्च करना इंदौर के एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया। साइबर ठगों ने बैंक कर्मचारी बनकर आवेदक से संपर्क किया और क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन की प्रक्रिया पूरी कराने के नाम पर उसके खाते से 50,000 की राशि निकाल ली। हालांकि, समय रहते शिकायत मिलने पर क्राइम ब्रांच इंदौर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीड़ित की पूरी रकम वापस करा दी।

जानकारी के अनुसार आवेदक मनोज परिवर्तित नाम ने अपना नया Axis Bank क्रेडिट कार्ड एक्टिवेट करने के लिए Google पर बैंक का Customer Care नंबर सर्च

किया था। सर्च के दौरान उसे एक अज्ञात मोबाइल नंबर दिखाई दिया। आवेदक ने उस नंबर पर संपर्क किया तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को Axis Bank के क्रेडिट कार्ड विभाग का कर्मचारी बताया।

आरोपी ने क्रेडिट कार्ड एक्टिवेशन की प्रक्रिया पूरी कराने का झांसा देकर आवेदक को अपनी बातों में उलझाया और ऑनलाइन प्रक्रिया के नाम पर उससे आवश्यक जानकारी और प्रक्रिया पूरी कराई। इसके बाद साइबर ठगों ने आवेदक के बैंक खाते से कुल 50,000 की राशि निकाल ली। ठगी को पता चलते ही आवेदक ने बिना देरी किए साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत मिलते ही क्राइम ब्रांच इंदौर ने मामले में तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने संबंधित बैंक से संपर्क कर ठगी की रकम को होल्ड कराया और ठगी की राशि जिन-जिन बैंक खातों में पहुंची थी, उनसे संबंधित विभिन्न राज्यों के बैंक खातों को फ्रीज कराया। त्वरित कार्रवाई के चलते आवेदक की ठगी गई पूरी ₹50,000 की राशि सुरक्षित रूप से रिफंड करा दी गई।

क्राइम ब्रांच इंदौर पुलिस ने नागरिकों को साइबर ठगी से बचने के लिए सावधान करते हुए कहा कि तथ्यश्रद्धाघट्ट पर दिखाई देने वाला हर Customer Care नंबर वास्तविक नहीं होता। बैंक का Customer Care नंबर हमेशा बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या

आधिकारिक मोबाइल ऐप से ही प्राप्त करें। Credit Card Activation के नाम पर आने वाले अनजान कॉल से सावधान रहें और बैंक कर्मचारी बनकर कोई व्यक्ति OTP, CVV, PIN या कार्ड की पूरी जानकारी मांगे तो तुरंत कॉल काट दें।

पुलिस ने यह भी अपील की कि किसी अनजान व्यक्ति के कहने पर Screen Sharing, Remote Access App या संदिग्ध लिंक का इस्तेमाल न करें। यदि किसी व्यक्ति के साथ ऑनलाइन साइबर ठगी हो जाती है तो बिना समय गंवाए तत्काल 1930 पर शिकायत करें और National Cyber Crime Reporting Portal पर भी शिकायत दर्ज कराएं।

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशानुसार शासन-प्रशासन को गांव की चौपाल तक पहुंचाने तथा आमजन को शासकीय योजनाओं और सेवाओं का लाभ सहज रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान 2026 का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 09 अक्टूबर 2026 को नगर परिषद सांवेर में मुख्यमंत्री जन-विश्वास शिविर आयोजित किया जाएगा।

शिविर में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को सुनने के साथ-साथ विभिन्न शासकीय योजनाओं से संबंधित प्रकरणों का मौके पर निराकरण किया जाएगा। विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहकर नागरिकों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देंगे तथा पात्र हितग्राहियों से संबंधित आवेदन एवं प्रकरणों पर आवश्यक कार्रवाई

सुनिश्चित करेंगे।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर कार्यालय से अधिकारियों का दल 09 अक्टूबर की सुबह बस से सांवेर के लिए रवाना होगा। अधिकारियों का दल प्रातः 9 बजे कलेक्ट्रेट कार्यालय से रवाना होकर शिविर स्थल पर पहुंचेगा और आमजन के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं को जानेगा।

अभियान का उद्देश्य शासन की योजनाओं और प्रशासनिक सेवाओं को नागरिकों के और अधिक निकट लाना है, ताकि लोगों को अपनी समस्याओं के निराकरण एवं शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए दूरस्थ कार्यालयों के अनावश्यक चक्कर न लगाने पड़ें। शिविर के माध्यम से विभागीय अधिकारियों द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने की प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाने का प्रयास किया जाएगा।

CEC ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का जोरदार प्रदर्शन, पुलिस ने वाटर कैनन और धुएँ का किया इस्तेमाल



इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस ने गुरुवार को इंदौर में जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला जलाया का प्रयास किया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इसके बाद मौके पर धुआं भी छोड़ा गया, जिससे कुछ देर

के लिए प्रदर्शन स्थल पर अफरा-तफरी की स्थिति बन गई।

कांग्रेस के देशव्यापी आंदोलन के तहत इंदौर में शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ा गणपति चौराहा पर एकत्रित हुए। यहां से कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च के रूप में टोरी कॉर्नर चौराहा पहुंचे। रास्तेभर कांग्रेस कार्यकर्ता मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी करते रहे।

टोरी कॉर्नर चौराहा पहुंचने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जमकर नारेबाजी की और इसके बाद मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला जलाने का प्रयास किया। जैसे ही कार्यकर्ताओं ने पुतले में आग लगाई, पुलिस ने वाटर कैनन चलाकर प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाने की कोशिश की। इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ता पीछे नहीं हटे और पुतला दहन करते हुए नारेबाजी जारी रखी। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने मौके पर धुआं भी छोड़ा।

शहर कांग्रेस अध्यक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देशभर में आंदोलन चल रहा है और इसी क्रम में इंदौर में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी स्ट्रूचर को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। इन्हें मुद्दों को लेकर कांग्रेस मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग कर रही है। देश के विभिन्न हिस्सों में भी कांग्रेस और विपक्षी दलों की ओर से इसी मांग को लेकर प्रदर्शन किए जा रहे हैं।

प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुलिस की कार्रवाई के बावजूद मौके पर डटे रहकर नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने -वोट चोर, गाड़ी छोड़- जैसे नारे लगाए और मुख्य निर्वाचन आयुक्त के इस्तीफे की मांग दोहराई। कांग्रेस नेताओं ने दिल्ली में विपक्षी नेताओं के प्रदर्शनों के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर भी नाराजगी जताई।

पुतला दहन और पैदल मार्च के दौरान वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजेश चौकसे, दीपु यादव, पार्षद राजू भदौरिया, पिंटू जोशी, अमन बजाज, पार्षद एवं नेता प्रतिपक्ष सोनिला मिमरोट, अंसाफ अंसारी, रफिक खान, सादिक खान, कुणा सोलंकी, देवेन्द्र यादव, शैफू वर्मा, सोमा सोलंकी, सुदाम चौधरी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

देशभर में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। कांग्रेस के आरोपों को निर्वाचन आयोग और भाजपा ने खारिज किया है।

सोलर प्लांट से केबल और बर्तन गोदाम में चोरी करने वाली पारदी गैंग का खुलासा, दो शातिर चोर गिरफ्तार

तीन विधि-विरुद्ध बालक अभिरक्षा में, 6.50 लाख रुपए का मशरूका बरामद

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी थाना पुलिस ने सोलर पावर प्लांट से केबल चोरी और बर्तन गोदाम में चोरी की वारदातों का खुलासा करते हुए पारदी गैंग के दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीन विधि-विरुद्ध बालकों को भी अभिरक्षा में लिया है। आरोपियों ने पिपलियामंडी और यशोधर्मन नगर थाना क्षेत्र में कुल सात चोरी की वारदातों को अंजाम देना स्वीकार किया है।

पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया आरोपियों के कब्जे से सोलर प्लांट की चोरी की गई करीब तीन लाख रुपए कीमत की केबल को जलाकर निकाला गया करीब 18 किलोग्राम तांबा, बर्तन गोदाम से चोरी किए गए करीब दो लाख रुपए कीमत के तांबे के पुराने बर्तन व अन्य सामान तथा वारदात में प्रयुक्त तीन मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं। बरामद मशरूका की कुल कीमत करीब 6.50 लाख रुपए बताई गई है। टीआई इवने ने आगे बताया 8 जुलाई 2026 को सोलर पावर प्लांट बोलगंज के मैनेजर प्रफुल्ल मुजावदिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि श्रीराम वेंयर हाउस के पीछे स्थित सौर ऊर्जा प्लांट से अज्ञात बदमाश



करीब तीन लाख रुपए कीमत की केबल चोरी कर ले गए। इस पर पिपलियामंडी थाने में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद 7 अक्टूबर को पिपलियामंडी के फाटक मोहल्ला निवासी ममता पति घनश्याम कसेरा ने बर्तन गोदाम की दीवार तोड़कर तांबे के बर्तन और अन्य सामान चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई। इस मामले में भी प्रकरण दर्ज किया गया। लगातार हो रही संपत्ति संबंधी चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ

साइबर सेल मंदसौर से तकनीकी सहायता ली गई। जांच के दौरान मिली मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने महेंद्र सिंह पारदी और गोलू पारदी को गिरफ्तार किया तथा तीन विधि-विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया। पुलिस ने आरोपियों की साइबर सेल मंदसौर से तकनीकी सहायता ली गई। जांच के दौरान मिली मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस ने महेंद्र सिंह पारदी और गोलू पारदी को गिरफ्तार किया तथा तीन विधि-विरुद्ध बालकों को अभिरक्षा में लिया। पुलिस ने आरोपियों की

सेवा मेरा योगदान अभियान के तहत दिव्यांगजन के सशक्तिकरण हेतु दिव्यांग पुनर्वास केंद्र में कार्यक्रम का आयोजन किया गया

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा मेरा योगदान के तहत मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद एवं सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, रतलाम के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय दिव्यांगजन सशक्तिकरण हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र, रतलाम में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सरकार द्वारा दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण, सम्मान, आत्मनिर्भरता एवं समाज की मुख्यधारा में सहभागिता के लिए किए जा रहे प्रयासों का उल्लेख करते हुए की गई। कार्यक्रम में दिव्यांगजनों को सम्मानित कर पुष्पमाला एवं पौधे भेंट किए गए। प्रतिभागियों ने हाथों में तख्तियां लेकर ‘विकसित भारत’ का संदेश दिया। इस अवसर पर दिव्यांगजनों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा कौशल विकास, स्वरोजगार एवं रोजगार के अवसरों की जानकारी दी गई। आवश्यक

किसान नेता श्यामलाल जोकचंद सहित चार ने मल्हारगढ़ थाने पहुंचकर दी गिरफ्तारी, मिली जमानत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मल्हारगढ़ के समीप चोरी स्थित कृपा बायोटेक एथेनॉल प्लांट में कर्मचारी मनीष पिता गणपत बावरी की 13 सितंबर को हुई संदिग्ध मृत्यु के बाद न्याय की मांग को लेकर किए गए चक्काजाम के मामले में दर्ज प्रकरण के तहत

किसान नेता श्यामलाल जोकचंद सहित चार लोगों ने गुरुवार को मल्हारगढ़ थाने पहुंचकर गिरफ्तारी दी। जोकचंद के साथ भगतराम डबोी, राजेश भारती और राहुल चौहान भी गिरफ्तारी दी। पुलिस ने चारों को थाने से ही जमानत दे दी। अब प्रकरण न्यायालय में चलेगा। इस मामले में मल्हारगढ़ पुलिस पहले ही श्यामलाल जोकचंद सहित 17 नामजद और 40 अज्ञात लोगों के खिलाफ हाईवे बाधित करने, भीड़ जुटाने और नारेबाजी सहित अन्य आरोपों में प्रकरण दर्ज कर चुकी है।

मृत्यु के मामले में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई, प्लांट प्रबंधन पर सवाल- पूरे मामले में अब यह



सवाल उठ रहा है कि मनीष की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के बाद न्याय की मांग करने वालों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई तो सामने आ गई, लेकिन मौत के मामले में आरोपों और सवालों के घेरे में आए प्लांट प्रबंधन की भूमिका को लेकर अब तक क्या कार्रवाई हुई, यह स्पष्ट नहीं है। उल्लेखनीय है कि इथेनॉल प्लांट में मनीष की संदिग्ध मौत के बाद परिजन निष्पक्ष जांच, प्लांट प्रबंधन की भूमिका की जांच, जिम्मेदारों पर कार्रवाई और आर्थिक सहायता की मांग को लेकर हाईवे पर बैठे थे। इसी दौरान चक्काजाम और प्रदर्शन को लेकर पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। गिरफ्तारी के बाद किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने

पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि मोगिया आदिवासी परिवार के युवक की संदिग्ध मृत्यु के मामले में न्याय की मांग करने वालों पर प्रकरण दर्ज किया गया है, जबकि प्लांट संचालक और प्रबंधन की भूमिका को लेकर अब तक कोई ठोस कार्रवाई सामने

नहीं आई है। जोकचंद ने कहा कि गरीब परिवार की आवाज उठाकर उसे न्याय दिलाने की कोशिश करने वालों पर प्रकरण दर्ज कर दिया गया, लेकिन जिस प्लांट में कर्मचारी की मौत हुई, उसके प्रबंधन की भूमिका की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदारों पर कार्रवाई को लेकर प्रशासन की कार्रवाई स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन को यह भी बताना चाहिए कि मनीष की मौत के मामले में अब तक क्या जांच हुई और प्लांट प्रबंधन के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। केवल न्याय की मांग को लेकर सड़क पर उतरने लोगों के खिलाफ मामला दर्ज करने से मृतक के परिवार को न्याय नहीं मिलेगा।

पोषण माह अंतर्गत किशोरी बालिका विकास शिविर आयोजित



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पोषण माह के अंतर्गत किशोरी बालिकाओं में स्वास्थ्य, पोषण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से ग्राम सोईकृपा में किशोरी बालिका विकास शिविर आयोजित किया गया। शिविर में किशोरी बालिकाओं को संतुलित आहार, पोषण, व्यक्तिगत स्वच्छता, योग एवं स्वस्थ जीवनशैली के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही गुड टच-बैड टच के प्रति जागरूक करते हुए बालिकाओं को अपने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। बालिकाओं को एनीमिया से बचाव तथा आयरन एवं कैल्शियम के महत्व की जानकारी दी गई। इस दौरान उनका वजन एवं लंबाई मापकर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी ली गई। बालिकाओं को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा शारीरिक रूप से सक्रिय रहने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। शिविर का आयोजन जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री राजेश गुप्ता के मार्गदर्शन एवं परियोजना अधिकारी,मनासा श्रीमती किरण कामदार के निर्देशन में किया गया। इस अवसर पर संबंधित कम्युनिटी सहायिका एवं किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में विद्यार्थियों को दिया गया सीपीआर का प्रशिक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी, नीमच द्वारा पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, नीमच की प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों के लिए प्राथमिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों को आपातकालीन परिस्थितियों में जीवन बचाने में सहायक सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण एवं डेमो दिया गया। प्रशिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को अचानक हृदय गति रुकने जैसी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराने तथा प्राथमिक चिकित्सा के महत्व की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में लगभग 1500 विद्यार्थी एवं 32 शिक्षक शामिल हुए। इस अवसर पर सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों ने मानव सेवा, सहयोग एवं जरूरतमंदों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहने की सामूहिक प्रतिज्ञा भी ली। प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में सेवा भावना के साथ-साथ आपातकालीन परिस्थितियों में त्वरित एवं प्रभावी सहायता प्रदान करने की क्षमता विकसित करना रहा।

नाहरगढ़ में शांति समिति की बैठक आयोजित, गरबा स्थलों पर कैमरे लगाने के निर्देश

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी नवरात्रि पर्व को लेकर नाहरगढ़ थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई बैठक में नवरात्रि के दौरान गरबा स्थलों सहित अन्य सांस्कृतिक स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा प्रभारी वरुण तिवारी ने समिति सदस्यों से कहा कि सभी गरबा स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि पर नजर रखी जा सके उन्होंने कहा कि क्षेत्र में कहीं भी कोई अवैधानिक गतिविधि दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए जिससे समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। बैठक में तहसीलदार कायमपुर मोहित सिनम सहित आपसपास के क्षेत्रों के नागरिक एवं शांति समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

सांवलिया की मौत हादसा नहीं, त्यवस्था की हत्या; अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे: एडवोकेट प्रकाश रांका

नयागांव रेलवे फाटक पर 14 वर्षीय मासूम की मौत पर भड़के कांग्रेस नेता रांका, प्रशासन को ठहराया सीधे जिम्मेदार

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मह-नसीराबाद हाईवे स्थित नयागांव रेलवे क्रॉसिंग पर वर्षों से व्याप्त बदहाली ने आखिरकार एक और मासूम की जिंदगी लील ली। आधे घंटे तक बंद फाटक के जाम में तड़पते हुए 14 वर्षीय बालक सांवलिया की एंबुलेंस में हुई मौत ने पूरे क्षेत्र को आक्रोशित कर दिया है।

इस संवेदनशील मुद्दे पर जनता की ढाल बनकर सामने आते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व जिला उपाध्यक्ष एडवोकेट प्रकाश रांका ने शासन-प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।

उन्होंने दो ट्रक शब्दों में कहा कि सांवलिया की मौत कोई सामान्य हादसा नहीं, बल्कि प्रशासनिक संवेदनहीनता और लचर व्यवस्था द्वारा की गई हत्या है।

जनता के हक के लिए हमेशा मुखर रहते हैं रांका- क्षेत्रीय मुद्दों पर हमेशा अग्रिम पंक्ति में खड़े रहने वाले एडवोकेट प्रकाश रांका ने सीधे तौर पर सत्ता और अधिकारियों को कटघरे में खड़ा किया।



उन्होंने कहा कि महू-नसीराबाद जैसे व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर औद्योगिक मालगाड़ियों के नाम पर जनता के जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। घंटों फाटक बंद रहने से एंबुलेंस और गंभीर मरीज फंसे रहते हैं। रांका ने तीखा हमला बोलते हुए कहा, क्या प्रशासन और जनप्रतिनिधि किसी बड़ी त्रासदी का इंतजार कर रहे थे? एक बेकसूर बच्चे की जान सिर्फ इसलिए चली गई क्योंकि सिस्टम उसे रास्ता नहीं दे पाया।

इससे शर्मनाक प्रशासनिक विफलता और कुछ नहीं हो सकती। कागजी वादे छोड़ तुरंत शुरू हो ओवरब्रिज का निर्माण- अपनी बेबाक शैली के लिए पहचाने जाने वाले कांग्रेस नेता ने साफ कर दिया है कि अब जावद विधानसभा की जनता खोखले दावों से

शांत नहीं होने वाली। नयागांव रेलवे क्रॉसिंग पर ओवरब्रिज या अंडरपास का निर्माण अब कोई मांग नहीं, बल्कि क्षेत्र के नागरिकों का मौलिक अधिकार बन चुका है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन, मध्य प्रदेश शासन और केंद्रीय रेल मंत्रालय को चेतावनी दी कि इस गंभीर जनसमस्या को तुरंत सर्वोच्च प्राथमिकता पर लेकर बजट स्वीकृत किया जाए और जमीनी काम शुरू हो।

रांका का संकल्प- सांवलिया की मौत को बनाएंगे आखिरी मौत- जावद की जनता को भरोसा दिलाते हुए एडवोकेट प्रकाश रांका ने कहा कि वे इस लड़ाई को अंजाम तक पहुंचाएंगे। उन्होंने अपने संकल्प को दोहराते हुए एक बेहद प्रभावी बात कही— रेलवे फाटक बंद हो सकता है, लेकिन जावद की जनता की जिंदगी का रास्ता बंद नहीं होने दिया जाएगा।

हमें ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां किसी भी मां की गोद इस फाटक के कारण सूनी न हो। सांवलिया की मौत इस फाटक पर आखिरी मौत साबित होगी। रांका के इस कड़े रुख के बाद क्षेत्र में ओवरब्रिज की मांग को लेकर जन-आंदोलन तेज होने के आसार दिखाई दे रहे हैं।

नीमच कलेक्ट्रेट में अनोखा प्रदर्शन: बर्खास्तगी पर भड़के पटवारी, हाथों में फूल-मालाएं लेकर पहुंचे कलेक्टर कार्यालय

स्वामित्व रजिस्ट्री की तकनीकी खामियों पर आर-पार की लड़ाई; जिले में कलमबंद हड़ताल शुरू, राजस्व के सारे काम ठप

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वामित्व रजिस्ट्री अभियान को लेकर मध्य प्रदेश में सरकार और पटवारियों के बीच का टकराव अब सीधे टकराव और आर-पार की लड़ाई में तब्दील हो चुका है। नीमच जिले में तीन पटवारियों की सेवा बर्खास्तगी के विरोध में गुरुवार को कलेक्ट्रेट परिसर छवनी में बदल गया। बड़ी संख्या में पटवारी कलेक्ट्रेट पहुंचे, लेकिन उनके विरोध का अंदाज इस बार बिल्कुल जुदा और तीखा था। पटवारी अपने हाथों में फूल-मालाएं लेकर पहुंचे थे। उन्होंने नौकरी से निकाले गए अपने साथियों को माला पहनाकर सम्मानित किया और जिला प्रशासन की दंडात्मक कार्रवाई पर जमकर तंज किया।

दबाव की राजनीति स्वामित्व रजिस्ट्री के सॉफ्टवेयर और नियमों में कई तकनीकी व व्यावहारिक खामियां हैं। इन्हें सुधारे बिना ही पटवारियों पर ऑनलाइन एंट्री का दबाव बनाया जा रहा है।



भेदभाव का आरोप- जब पूरे जिले और प्रदेश के पटवारी इस समस्या का विरोध कर रहे हैं, तो केवल तीन पटवारियों को ही बर्खास्तगी की गाज क्यों गिराई गई? अल्टीमेटम- जब तक तीनों बर्खास्त पटवारियों की बिना शर्त बहाली नहीं होती और नियमों में संशोधन नहीं होता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। सॉफ्टवेयर की खामियां दूर नहीं की और सीधे दे दी

नौकरी से निकालने की सजा- मध्य प्रदेश पटवारी संघ के जिलाध्यक्ष दिलीप सिंह चुण्डावत ने प्रशासन को आड़े हाथों लेते हुए कहा, स्वामित्व रजिस्ट्री के काम में जमीनी स्तर पर कई गंभीर तकनीकी दिक्कतें आ रही हैं। इन व्यावहारिक समस्याओं के निराकरण के लिए संघ द्वारा पहले भी प्रशासन को लिखित में अवगत कराया गया था। इसके बावजूद, सिस्टम की कमियां दूर करने के बजाय पटवारियों को बलि का बकरा बनाया जा रहा है। बिना किसी ठोस विभागीय जांच या आधार के तीन साथियों को बर्खास्त करना तानाशाही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

कलेक्टर से नहीं मिल पाए तो मुख्य द्वार पर ही डाल दिया डेरा, 10 मिनट का मौन रखा-प्रदर्शन के दौरान कलेक्ट्रेट परिसर जिला प्रशासन होश में आओ और दमनकारी नीतियां बंद करो के नारों से गूँज उठा आक्रोशित पटवारी सीधे कलेक्टर से मिलकर अपनी बात रखना चाहते थे। जब कलेक्टर से मुलाकात नहीं हो

पाई, तो नाराज पटवारी कलेक्टर कार्यालय के मुख्य प्रवेश द्वार (चैनल गेट) पर ही धरने पर बैठ गए। प्रशासन की इस बेरुखी और सुनवाई न होने के विरोध में सभी प्रदर्शनकारियों ने कलेक्ट्रेट के दरवाजे पर करीब 10 मिनट का मौन रखकर अपना विरोध दर्ज कराय। इस हंगामे के चलते कलेक्ट्रेट परिसर में काफी देर तक गहमागहमी और तनाव का माहौल बना रहा।

प्रशासन पर करारा कटाख- ५%नौकरी ही छीननी है तो माला पहनाकर सम्मानपूर्वक घर भेज दो- कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर जब पटवारियों ने अपने बर्खास्त साथियों का सार्वजनिक रूप से माला पहनाकर स्वागत किया, तो वहां मौजूद हर शख्स हैरान रह गया। जिलाध्यक्ष चुण्डावत ने प्रशासनिक कार्रवाई पर तीखा कटाख करते हुए कहा, अगर जायज और तकनीकी दिक्कतों को उजागर करने की सजा नौकरी से निकालना ही है, तो प्रशासन हम सभी को एक साथ माला पहना दे और सम्मानपूर्वक घर विदा कर दे।

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महार के एमआईटी टर्फ मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन जारी है। प्रतियोगिता के दौरान विशिष्ट अतिथियों ने मैदान पर पहुंचकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों में भाजपा मंडल अध्यक्ष अरविंद सासुरत, खेल प्रकोष्ठ के प्रेश शह संयोजक शांतिलाल मालवीय तथा परशुराम कल्याण बोर्ड के मंदसौर प्रभावी देवेंद्र दुबे शामिल रहे। अतिथियों ने मैदान में उतरकर सभी टीमों के खिलाड़ियों से आत्मीय परिचय प्राप्त किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। इस गरिमामयी अवसर पर आयोजन से जुड़े प्राचार्य एवं संयोजक के. सी. सोलंकी, प्राचार्य विजय सिंह पुरावत, प्राचार्य सुदीप दास तथा योजना समन्वयक दिलीप कुमार मुजावदिया विशेष रूप से उपस्थित रहे और अतिथियों का आभार प्रकट किया।

मैचों को निष्पक्ष व सुचारु रूप से संचालित कराने के लिए भोपाल से नियुक्त फील्ड ऑफिसर देवेंद्र बाथम तथा ऑफिशियल्स मुकेश राठौर, पहलाद राठौर, रामजय चौहान, गुल्लेज खान, वैभव चौरसिया और अविनाश उपाध्याय मैदान पर मुस्तैद रहे। दिनभर चले मुकाबलों के परिणामों में उज्जैन ने रीवा को 13-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि जबलपुर ने कड़े मुकाबले में इंदौर को 1-0 से हराया। शहडोल ने भोपाल को 2-0 से और आदिवासी टीम ने एमपी को 4-0 से पराजित किया। सागर की टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए ग्वालियर बी को 9-0 से मात दी। इसके बाद इंदौर ने रीवा को 5-0 से हराया, वहीं ग्वालियर ने एमपी पर 8-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। अन्य रोमांचक मैचों में भोपाल ने आदिवासी टीम को 3-1 से हराया, जबलपुर ने रीवा को 8-0 से शिकस्त दी और उज्जैन ने इंदौर पर 5-0 से बढ़त बनाई। ग्वालियर के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल दिखाते हुए शहडोल को 15-0 से पराजित किया, जबकि भोपाल ने नर्मदापुरम को 5-1 से हराया। दित के सबसे बड़े अंतर वाले मुकाबले में सागर ने रीवा को 19-0 के विशाल स्कोर से हराया। इसके अतिरिक्त उज्जैन ने जबलपुर को 15-0 से, ग्वालियर ने आदिवासी टीम को 9-0 से और शहडोल ने नर्मदापुरम को 4-0 से हराया। वहीं सागर ने इंदौर को 9-1 के अंतर से मात दी। समाचार लिखे जाने तक ग्वालियर और भोपाल के बीच खेला जा रहा मुकाबला जारी था।



चौहान, गुल्लेज खान, वैभव चौरसिया और अविनाश उपाध्याय मैदान पर मुस्तैद रहे। दिनभर चले मुकाबलों के परिणामों में उज्जैन ने रीवा को 13-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि जबलपुर ने कड़े मुकाबले में इंदौर को 1-0 से हराया। शहडोल ने भोपाल को 2-0 से और आदिवासी टीम ने एमपी को 4-0 से

पराजित किया। सागर की टीम ने एकतरफा खेल दिखाते हुए ग्वालियर बी को 9-0 से मात दी। इसके बाद इंदौर ने रीवा को 5-0 से हराया, वहीं ग्वालियर ने एमपी पर 8-0 से एकतरफा जीत दर्ज की। अन्य रोमांचक मैचों में भोपाल ने आदिवासी टीम को 3-1 से हराया, जबलपुर ने रीवा को 8-0 से शिकस्त दी और उज्जैन ने इंदौर पर 5-0 से बढ़त बनाई। ग्वालियर के खिलाड़ियों ने शानदार तालमेल दिखाते हुए शहडोल को 15-0 से पराजित किया, जबकि भोपाल ने नर्मदापुरम को 5-1 से हराया। दित के सबसे बड़े अंतर वाले मुकाबले में सागर ने रीवा को 19-0 के विशाल स्कोर से हराया। इसके अतिरिक्त उज्जैन ने जबलपुर को 15-0 से, ग्वालियर ने आदिवासी टीम को 9-0 से और शहडोल ने नर्मदापुरम को 4-0 से हराया। वहीं सागर ने इंदौर को 9-1 के अंतर से मात दी। समाचार लिखे जाने तक ग्वालियर और भोपाल के बीच खेला जा रहा मुकाबला जारी था।

513 ग्राम एमडी इग और 9 किलो डोडाचूरा के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार, कार भी जब्त



मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी पुलिस ने बालागुढ़ा-बही पार्ष्वनाथ रोड ड्रूलावदा फाटे पर नाकाबंदी कर एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 513 ग्राम एमडी इग और 9

किलो डोडाचूरा बरामद किया है। तस्करी में प्रयुक्त एक सेल्टोस कार सहित कुल 15.29 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया गया है। पिपलियामंडी टीआई विक्रमसिंह इवने ने बताया पुलिस अधीक्षक मंदसौर विनोद कुमार मीना के निर्देश पर नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। इसी दौरान गुजरात नंबर की सेल्टोस कार क्रमांक जीजे 03 एलजी 9006 को रोककर तलाशी ली गई। कार चालक को पृष्ठताछ में अपना नाम प्रदीप (39) पिता ओमप्रकाश शर्मा, निवासी वार्ड नंबर 23, वाटर बकसर रोड, प्रतापगढ़, राजस्थान बताया। पुलिस ने कार की तलाशी ली तो उसमें 513 ग्राम एमडी इग और 9 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी प्रदीप शर्मा को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ धारा 8/15, 22 एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस आरोपी से बरामद मादक पदार्थ के स्रोत और इसके आगे सरलाई किए जाने वाले नेटवर्क के संबंध में पृष्ठताछ कर रही है। टीआई इवने ने बताया आरोपी को कोर्ट में पेश कर रिमाण्ड लेकर पृष्ठताछ की जाएगी।

मुख्यमंत्री निःशुल्क स्कूटी योजना के तहत नीमच विकासखंड के 39 विद्यार्थियों को मिली स्कूटी



नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री निःशुल्क ई-स्कूटी/आईसीईएस प्रदाय योजना के अंतर्गत महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, नीमच में स्कूटी

वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक नीमच श्री दिलीप सिंह परिहार ने की, जबकि श्री सज्जन सिंह चौहान विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नीमच विकासखंड के 39 मेधावी छात्र-छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई। जिले में इस वर्ष कुल 112 विद्यार्थियों को योजना का लाभ मिला है। मध्यप्रदेश शासन की इस योजना का उद्देश्य शासकीय विद्यालयों में कक्षा 12वीं के मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करना और उनकी उच्च शिक्षा की राह को सुगम बनाना है। योजना के अंतर्गत स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग के शासकीय हान्पर सेकेंडरी विद्यालयों में कक्षा 12वीं में सभी संकायों को सम्मिलित कर विद्यालय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एक छात्र एवं एक छात्रा पात्र होते हैं। कार्यक्रम में प्राचार्य, शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीमच नगर, श्री योगेश कण्डाड़ा, बीआरसी नीमच सहित जनप्रतिनिधि, विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

लाठी का जवाब 'सर्विस बुक' लोकतंत्र की वह लड़ाई जो जनता अब तक लड़ना सीख ही नहीं पाई

जब किसी आंदोलनकारी पर लाठी बरसती है, जब किसी नागरिक को सड़क पर घसीटा जाता है, जब किसी की आवाज़ को दबाने की कोशिश की जाती है, तब दृश्य बहुत स्पष्ट दिखाई देता है। एक तरफ वर्दी होती है, दूसरी तरफ नागरिक। एक तरफ शक्ति दिखाई देती है, दूसरी तरफ पीड़ा। इसलिए अधिकांश लोग वहीं रुक जाते हैं जहाँ उनकी आँखें उन्हें रुकने के लिए कहती हैं। वे लाठी देखते हैं, चेहरा देखते हैं, गुस्सा देखते हैं, अन्याय देखते हैं। लेकिन वे उस प्रश्न तक नहीं पहुँचते जहाँ से लोकतंत्र की असली लड़ाई शुरू होती है। वे शायद ही कभी यह जानने का प्रयास करते हैं कि उनके साथ दुर्व्यवहार करने वाला अधिकारी या कर्मचारी अपने सार्वजनिक दायित्वों का पालन कितनी ईमानदारी से कर रहा है। उसने अब तक कितनी रिश्तत वसूली, कितनी अवैध संर्पत्तियाँ जमा की हैं?

आख़िर ऐसा क्यों है कि जिस व्यक्ति ने अपमान सह़ा, वह अपमान को तो याद रखता है, लेकिन अपमान करने वाले की जवाबदेही तलाशने नहीं निकलता? क्यों वह घटना को याद रखता है, लेकिन उस व्यवस्था की नस पकड़ने की कोशिश नहीं करता जिसने उस घटना को संभव बनाया? क्यों वह अपने घावों की गिनती करता है, लेकिन उस अधिकारी या कर्मचारी के सार्वजनिक रिकॉर्ड और फाइलों की नहीं, जिसने उसके अधिकारों को चुनौती दी? शायद इसलिए कि हमें बचपन से यह सिखाया गया है कि सत्ता बहुत शक्तिशाली होती है और नागरिक बहुत कमजोर। हमें यह बताया जाता है कि सामने खड़ा अधिकारी, कर्मचारी या पुलिसकर्मी केवल आदेश का पालन कर रहा था। यह बाद कई परिस्थितियों में सही भी हो सकती है। लेकिन लोकतंत्र का प्रश्न यहाँ समाप्त नहीं होता। लोकतंत्र का प्रश्न यह है कि जो व्यक्ति कानून, अधिकार और शक्ति का प्रयोग कर रहा है, क्या वह स्वयं भी उसनी ही ईमानदारी से सार्वजनिक जांच के लिए तैयार है जितनी ईमानदारी की अपेक्षा वह नागरिकों से करता है?

यहीं आम आदमी सबसे बड़ी भूल करता है। वह प्रतिरोध को केवल नारों तक सीमित समझ लेता है। उसे लगता है कि विरोध का अर्थ सड़क है, भीड़ है, भाषण है, गिरफ्तारी है, संघर्ष है। जबकि इतिहास गवाह है कि कई बार व्यवस्था को सबसे अधिक असुविधा भीड़ ने नहीं, दस्तावेजों ने दी है। कई बार नारे नहीं, रिकॉर्ड बोले हैं। कई बार भाषण नहीं, फाइलों ने सत्ता को जवाब देने पर मजबूर किया है।

सबसे बड़ा भ्रम यह है कि आम आदमी स्वयं को असहाय समझता है। जबकि उसके हाथ में ऐसे औज़ार मौजूद हैं जिनका उपयोग वह शायद ही कभी करता है। सूचना का अधिकाार केवल एक कानून नहीं है; यह लोकतंत्र द्वारा नागरिक को दिया गया वह चाबी है जिससे वह बंद दरवाजों पर दस्तक दे सकता है। दुर्भाग्य यह है कि अधिकांश लोग उस चाबी को जेब में रखकर पूरी जिंदगी यह शिकायत करते रहते हैं कि दरवाजे बंद हैं।

किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की प्रथम नियुक्ति से लेकर अब तक कि उसकी सेवा की फाइल को प्रशासनिक भाषा में «सर्विस बुक» कहते हैं। जिसमें उसके जन्म प्रमाण पत्र से लेकर उसकी शिक्षा, तथा परिवार के सदस्यों और नौकरी मिलते समय उसकी आर्थिक स्थिति के अतिरिक्त कई महत्वपूर्ण दस्तावेज होते हैं। इसके अलावा किसी भी सरकारी अधिकारी को प्रतिवर्ष अपने एवं अपने परिवार के सभी सदस्यों के नाम पर किए गए निवेश आदि की सूचना भी अलग से देनी पड़ती है और इस दस्तावेज को ट्रुक्क़र यानी Immovable Property Return कहते हैं। इसके अलावा एक वार्षिक,छ़क़ नाम का दस्तावेज भी होता है जिसमें उसके व्यवहार, आचरण, परफॉर्मेंस आदि की जानकारी होती है। बाकी आगे के सुराख़ भी यह जानकारी प्राप्त करके के बाद इसी जानकारी से मिल जाते हैं।

अब ज़रा ठहरकर सोचिए। जिस नागरिक ने लाठी खाई, क्या उसने कभी यह जानने की कोशिश की कि उसके सामने खड़ा व्यक्ति अपने पूरे सार्वजनिक जीवन में कितना जवाबदेह रहा है? उसने अपने पद का दुरुपयोग करके कितनी अवैध कमाई और संपत्ति जमा की? जिस अधिकारी ने कानून की भाषा में बात की, क्या उसके अपने रिकॉर्ड भी उसने ही साफ़ हैं जितने वह नागरिकों से अपेक्षा करता है? जिस व्यक्ति ने अधिकार का प्रयोग किया, क्या उसके अपने आचरण की भी कभी बात हुई? क्या उसकी घोषित जानकारी और वास्तविक स्थिति में कोई अंतर है? क्या उसके खिलाफ़ शिकायतें हुई? क्या उसके निर्णयों पर कभी प्रश्न उठे? क्या उसके सार्वजनिक जीवन का पूरा लेखा-जोखा उसना ही पारदर्शी है जितनी पारदर्शिता वह दूसरों से चाहता है? क्या उसने कभी किसी से रिश्तत नहीं ली? क्या वह पूरी तरह ईमानदार है?

यहीं से शक्ति का समीकरण बदलना शुरू होता है। क्योंकि व्यवस्था को सबसे अधिक डर उस नागरिक से नहीं लगता जो एक दिन गुस्सा होकर नारा लगाता है। व्यवस्था को सबसे अधिक डर उस नागरिक से लगता है जो दस साल पुरानी फाइल निकाल लेता है। जो रिकॉर्ड पढ़ता है। जो दस्तावेज़ जोड़ता है। जो प्रश्न पूछता है। जो उत्तरों की तुलना करता है। जो भावनाओं से नहीं, तथ्यों से काम लेता है। क्योंकि भावनाएँ थक जाती हैं, लेकिन दस्तावेजों की स्मृति लंबी होती है।

नवरात्रि, सहजयोग ध्यान द्वारा सूक्ष्म चक्रों पर शक्तियों की जागृति का स्वर्णिम अवसर



नवरात्रि भारतीय संस्कृति में आदिशक्ति की आराधना का पावन पर्व है। सहज योग में नवरात्रि का विशेष महत्व माना जाता है। सहज योग की साधना में साधक नियमित ध्यान के साथ देवी के विभिन्न स्वरूपों का ध्यान करते हुए अपने सूक्ष्म शरीर के चक्रों पर मन को एकाग्र करते हैं। परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रणीत सहज योग में चक्रों के ध्यान और आत्मसाक्षात्कार के माध्यम से मनुष्य अपनी आंतरिक शक्तियों और गुणों को जागृत करने का प्रयास करता है।

प्रथम दिन माँ शैलपुत्री की आराधना के साथ मूलाधार चक्र पर ध्यान किया जाता है। यह चक्र अवोधिता, विवेक और संतुलन का आधार माना जाता है।

दूसरे दिन माँ ब्रह्मचारिणी के स्वरूप के साथ स्वाधिष्ठान चक्र पर ध्यान किया जाता है, जो शुद्ध विद्या, रचनात्मकता और कलात्मकता से जुड़ा है। तीसरे दिन माँ चंद्रघंटा की उपासना नाभि या मणिपुर चक्र पर ध्यान के साथ की जाती है। यह चक्र संतोष, शांति और धर्मपरायणता के गुणों को विकसित करने में सहायक माना जाता है।

चौथे दिन माँ कूष्मांडा के स्वरूप की आराधना करते हुए अनाहत या हृदय चक्र पर ध्यान किया जाता है, जिससे निर्भयता और आत्मविश्वास का विकास होता है।

पांचवें दिन माँ स्कंदमाता की उपासना विशुद्धि चक्र के ध्यान के साथ की जाती है। सहज योग में यह चक्र साक्षी भाव और मधुर वाणी से संबंधित माना जाता है।

छठे दिन माँ कात्यायनी की आराधना करते हुए आज्ञा चक्र पर ध्यान किया जाता है। इसका प्रमुख गुण क्षमाशीलता है।

सातवें दिन माँ काराग्रिनी की आराधना सहस्रार चक्र के ध्यान के साथ की जाती है। सहज योग में सहस्रार को शुद्ध चेतना और दिव्य अनुभूति का महत्वपूर्ण केंद्र माना जाता है।

अष्टमी के दिन माँ महागौरी की आराधना सहस्रार के ऊपर स्थित दिव्य शक्ति के ध्यान के रूप में की जाती है।

नवमी को माँ सिद्धिदात्री की पूजा होती है। सभी चक्रों के संतुलन के उपरंत साधक में विभिन्न गुणों का विकास होता है और वह संतुलित एवं सर्वगुणसंपन्न जीवन की ओर अग्रसर होता है।

परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी ने मानव को ईश्वरीय अनुभूति और आत्मसाक्षात्कार का मार्ग प्रदान करने के उद्देश्य से सहज योग की स्थापना की।

भारतीय सिनेमा में कुछ कलाकार ऐसे होते हैं, जिन्हें केवल अभिनेता कहना उनके व्यक्तित्व को सीमित कर देना है। नाना पाटेकर उन्हीं विरल कलाकारों में से एक थे। वे अभिनेता थे, रंगकर्मी थे, निर्देशक थे, लेखक थे, सामाजिक सरोकारों से जुड़े संवेदनशील नागरिक थे और भारतीय सेना के प्रति गहरे सम्मान एवं सम्पर्ण का उदाहरण भी थे। उनकी आवाज में खुरदुरापन था, संवादों में धार थी, आंखों में आक्रोश और चेहरे पर जीवन के संघर्षों की सच्चाई। उन्होंने अभिनय को सजावटी कला नहीं बनाया, बल्कि उसे यथार्थ जीवन के अनुभवों, पीड़ा, संघर्ष, संवेदना और सामाजिक चेतना से जोड़ा। 8 अक्टूबर 2026 को 75 वर्ष की उम्र में उनके निधन के साथ भारतीय सिनेमा ने एक ऐसा कलाकार खो दिया, जिसकी कोई दूसरी प्रतिकृति संभव नहीं है। वे अभिनय जगत के लिये एक अपरिहार्य नाम थे और ज्यादातर फिल्मप्रेमियों के लिये अजीज भी थे।

नाना की फिल्म-प्रतिभा हमें चौंकाती रही है, रोमांचित करती रही है, उकसाती रही है, क्योंकि उनकी फिल्मों की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि वे आम लोगों के जीवन की सच्चाई और उनके संघर्षों को प्रामाणिकता एवं जीवंतता के साथ प्रस्तुत करते रहे हैं। भारतीय जिंदगी के रंग बेशुमार हैं, कला-संस्कृति की अविस्मरणीय धाराएँ हैं, अनूठा एवं बेजोड़ इतिहास और उसकी कहानियाँ भी अनंत-अथाहा। नाना का फिल्मी-युग भारत की खिड़की से विश्व को देखने एवं विश्व को भारत दिखाने की पहल का एक स्वर्णिम युग है। उन्होंने अपने किरदार से राष्ट्रीयता की भावना को भी सुदृढ़ किया। नाना का सफरनामा पूरी तरह मायूस हो चुके किसी भी ईंसान के लिये प्रेरणादायी अध्याय भी है, उत्साह की मिसाल भी है। नाना पाटेकर का वास्तविक नाम विंशन्ना पाटेकर था। उनका जन्म 1 जनवरी 19२५ को महाराष्ट्र के मुरुड-जंजीरा में हुआ। बचपन सामान्य था, लेकिन किशोरावस्था में ही परिवार आर्थिक संकट में गिर गया। पिता का कारोबार बूढ़ गया और महज 1३ वर्ष की उम्र में नाना को परिवार की मदद के लिए काम करना पड़ा। वे स्कूल के बाद मुंबई में फिल्म पोस्टर रंगते और करीब ३५ रुपये महीने कमाते थे। काम पर जाने के लिए उन्हें कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता था और बदले में एक वक्त का भोजन भी मिलता था। गरीबी और अभाव ने उन्हें तोड़ा नहीं, बल्कि भीतर से गढ़ा। बाद में उन्होंने स्वयं स्वीकार किया कि

असाधारण जनसेवक हैं मोदी

मैं २७ जुलाई २०१९ को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिला था। दस महीने पहले भूटान के चुनावों में मेरी पार्टी पराजित हो गई थी और संसद में पार्टी का कोई प्रतिनिधित्व नहीं था। मैं न तो प्रधानमंत्री था और न ही सांसद। मैं पीएम मोदी से एक आम नागरिक के तौर पर मिला। मैंने अपने कार्यकाल के दौरान उनके सहयोग के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। मैंने उनसे कहा कि वे हमेशा मेरे बड़े भाई होंगे, सिर्फ इसलिए नहीं कि वे उम्र में बड़े हैं, बल्कि इसलिए भी कि उन्होंने मेरे साथ वैसा ही खेह दिखाया, जैसा एक बड़ा भाई अपने छोटे भाई के प्रति दिखाता है।

फिर मैंने उनसे एक और बात कही। मैंने उन्हें एक दैवीय अवतार के रूप में देखा। मैंने बताया कि हमारे इलाके में, ज्ञानी और नेक शासकों को लंबे समय से ऐसा ही माना जाता रहा है। मेरी ही बातों ने मुझे हैनन कर दिया। बाद में, मैंने सोचा कि आखिर मैंने ऐसा क्यों कहा? क्या मैं भावनाओं में बह गया था? क्या मैं गलत था? जब मैंने अपनी कही बातों पर विचार किया, तो जवाब स्पष्ट हो गया। पीएम मोदी को अवतार मानना सही था।

मैंने उन्हें लगभग १३ वर्षों तक गुजरात का शासन चलाते देखा था, जब यह राज्य विकास, अवसरंचना, निवेश और योजनाओं के कार्यान्वयन के मामले में देश के लिए एक मिसाल बन गया था। फिर मैंने उन्हें उस महत्वाकांक्षा को पूरे भारत के स्तर पर ले जाते देखा, जिसमें बिनिर्माण, विदेशी निवेश, वित्तीय समावेशन, स्वच्छता, तकनीक और अवसरंचना पर जोर दिया गया। इन सबके मूल में था सेवा और काम को पूरा करने पर लगातार जोर। मैंने उनमें एक अनुशासित, ऊर्जावान और असाधारण रूप से मेहनती जनसेवक को भी देखा।

जिस बात ने मुझे सबसे अधिक प्रभावित किया, वह थी देशवासियों की सेवा के प्रति उनका अटूट समर्पण। इससे भी जरूरी बात यह है कि उन्होंने अपने दायें में खुद पर और बायें देश पर एक सशक्त विश्वास जगाया। मेरे लिए ये एक ज्ञानी एवं नेक शासक के गुण हैं। भूटानसु मुद्रास्फीति में, हम %१५परसुम गोनपी% का सम्मान करते हैं, जो सभी जीवों की मुक्ति के लिए समर्पित बोधिसत्त्वों की एक निर्मूर्ति हैं। मंजुश्री ज्ञान की प्रतीक हैं, अवलोकितेश्वर करुणा का और वज्रपाणि साहस का।

मेरे लिए ज्ञानी नेतृत्व का मतलब है, निस्वार्थ सेवा के जरिये इन तीन गुणों-बुद्धिमत्ता, करुणा और साहस का उपयोग करना।

–**डॉ. सुधाकर आशावादी**

भूख और अपमान ने उन्हें जीवन को समझना सिखाया। कला नाना के जीवन में आरंभ से थी। उन्होंने सर जे.जे. इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड आर्ट में शिक्षा ली और व्यावसायिक कलाकार के रूप में काम किया। लेकिन उनका वास्तविक विद्यालय था रंगमंच। मराठी रंगमंच की प्रख्यात निर्देशिका विजया मेहता के मार्गदर्शन में उन्होंने अभिनय की बारीकियां सीखीं। हमीदाबाईची कोठी जैसे नाटकों ने उन्हें गंभीर रंगकर्मी के रूप में पहचान दी। रंगमंच ने उन्हें संवाद बोलना ही नहीं, बल्कि संवाद के पीछे छिपी भावना को जीना सिखाया। नाना के करियर की शुरुआत फिल्म 'गमन' से हुई थी लेकिन इंडस्ट्री में उन्हें फिल्म 'परिदा' से नोटिस किया गया जिसमें उन्होंने खलनायक की भूमिका अदा की थी। इस फिल्म में उनके अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार भी दिया गया। इसके बाद उन्होंने कई अच्छी फिल्मों में काम किया और अपने अभिनय का लोहा मनवाया। क्रांतिवीर, खामोशी, यशवंत, अब तक छप्पन, अपहरण, वेलकम, राजनीति उनकी प्रमुख फिल्मों में से एक हैं। शुरुआती वर्षों की निराशाओं के बावजूद उन्होंने अपनी राह नहीं छोड़ी। अंकुश और सलाम बांबे! जैसी फिल्मों ने उनकी प्रतिभा को पहचान दिलाई।

इसके बाद नाना पाटेकर ने एक के बाद एक ऐसे किरदार निभाए, जिन्होंने हिंदी सिनेमा में अभिनय की एक अलग भाषा निर्मित की। 'अंगार' में उनका नकारात्मक किरदार, 'तिरंगा' में देशभक्ति से ओतप्रोत शिवाजी राव वागले, 'क्रांतिवीर' में प्रखर और विद्रोही प्रताप नारायण तिलक, 'अग्निसाक्षी' में जटिल मानसिकता वाला पात्र और 'खामोशी-द म्यूजिकल' में संवेदनशील पिता-हर भूमिका में वे बिल्कुल अलग दिखाई दिए। क्रांतिवीर के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला, जबकि अग्निसाक्षी के लिए फिर राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हुए। इस तरह वे तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार पाने वाले विशिष्ट अभिनेताओं में शामिल हुए। नाना की अभिनयशैली का सबसे बड़ा गुण था स्वाभाविकता के भीतर तोन्नता। वे संवाद को केवल बोलते नहीं थे, उसे जीते थे। उनकी आवाज कभी धीमी फुसफुसाहट बन जाती तो कभी विस्फोट की तरह फूटती। उनका चेहरा, आंखों की हरकत, हाथों का इस्तेमाल, अचानक आने वाला ठहराव और फिर तेज गति से निकलते संवाद-इन

संकटग्रस्त परिसंपत्तियों को सिर्फ निपटाना नहीं, उनके लिए बाजार बनाना भी जरूरी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से हाल में जारी एक स्पष्टीकरण में किसी परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी (एआरसी) को दिवाला एवं शोधन अक्षमता सहिता (आईबीसी), २०१६ के तहत समाधान आवेदक की भूमिका निभाने की इजाजत दी गई है। इससे ऐसी कंपनियां १,००० करोड़ रुपये की शुद्ध स्वात्मित निधि (एनओएफ) की शर्त पूरी किए बिना ही वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन (सरफेसी) अधिनियम, २००२ के दायरे में आने वाली वित्तीय परिसंपत्तियां खरीद सकती हैं। यह स्पष्टीकरण आईबीसी समाधान में एआरसी की भागीदारी बढ़ाता है जिससे छोटी एआरसी दूसरे निवेशकों के साथ मिलकर सह-समाधान आवेदक के तौर पर हिस्सा ले सकती हैं।

आरबीआई के वर्ष २०२५ के निर्देशों के तहत किसी एआरसी को आईबीसी समाधान के लिए समाधान पेशेवर के तौर पर काम करने की इजाजत थी। मगर इसके लिए शर्त तय की गई थी कि उसकी एनओएफ कम से कम १,००० करोड़ रुपये होनी चाहिए और इसकी कॉर्पोरेट कर्जधारक पर पांच वर्षों से अधिक समय तक कोई खास प्रभाव या नियंत्रण न रहा हो। इसके साथ ही एआरसी के लिए कम से कम एनओएफ की जरूरत ३०० करोड़ थी। कुल २७ में केवल पांच एआरसी ही १,००० करोड़ रुपये की शर्त पूरा करती थीं इसलिए ३०० करोड़ और १,००० करोड़ रुपये के बीच आने वाली एआरसी समाधान पेशेवर के रूप में काम नहीं कर सकती थीं।

लिहाजा, यह स्पष्टीकरण एआरसी और फंसी परिसंपत्तियों के लिए अहम है। यह समाधान प्रक्रिया में अटक की परिसंपत्तियों में निवेश करने वाले एक विशिष्ट निवेशक को लाता है और एआरसी को ऐसे आवेदक के साथ हिस्सा लेने की इजाजत देता है जो समाधान योजना के सरफेसी से इतर दूसरे पहलुओं को संभाल रहा हो। हालांकि, अनुमति जितनी अहम है सीमाएँ भी उसनी ही मायने रखती हैं। समाधान योजना में कर्ज हॉसिल करने से कहीं अधिक चीजें शामिल होती हैं। वित्तीय परिसंपत्तियां हॉसिल करना योजना का एक हिस्सा है और यह स्पष्टीकरण छोटी एआरसी के लिए इसी हिस्से का रास्ता खोलता है। वे अकेले समाधान योजना आगे नहीं बढ़ा सकतीं, बल्कि उन्हें ऐसे आवेदक के साथ हिस्सा लेना होगा जो गैर-सरफेसी पहलुओं को

लिहाजा, यह स्पष्टीकरण एआरसी और फंसी परिसंपत्तियों के लिए अहम है। यह समाधान प्रक्रिया में अटक की परिसंपत्तियों में निवेश करने वाले एक विशिष्ट निवेशक को लाता है और एआरसी को ऐसे आवेदक के साथ हिस्सा लेने की इजाजत देता है जो समाधान योजना के सरफेसी से इतर दूसरे पहलुओं को संभाल रहा हो। हालांकि, अनुमति जितनी अहम है सीमाएँ भी उसनी ही मायने रखती हैं। समाधान योजना में कर्ज हॉसिल करने से कहीं अधिक चीजें शामिल होती हैं। वित्तीय परिसंपत्तियां हॉसिल करना योजना का एक हिस्सा है और यह स्पष्टीकरण छोटी एआरसी के लिए इसी हिस्से का रास्ता खोलता है। वे अकेले समाधान योजना आगे नहीं बढ़ा सकतीं, बल्कि उन्हें ऐसे आवेदक के साथ हिस्सा लेना होगा जो गैर-सरफेसी पहलुओं को

लिहाजा, यह स्पष्टीकरण एआरसी और फंसी परिसंपत्तियों के लिए अहम है। यह समाधान प्रक्रिया में अटक की परिसंपत्तियों में निवेश करने वाले एक विशिष्ट निवेशक को लाता है और एआरसी को ऐसे आवेदक के साथ हिस्सा लेने की इजाजत देता है जो समाधान योजना के सरफेसी से इतर दूसरे पहलुओं को संभाल रहा हो। हालांकि, अनुमति जितनी अहम है सीमाएँ भी उसनी ही मायने रखती हैं। समाधान योजना में कर्ज हॉसिल करने से कहीं अधिक चीजें शामिल होती हैं। वित्तीय परिसंपत्तियां हॉसिल करना योजना का एक हिस्सा है और यह स्पष्टीकरण छोटी एआरसी के लिए इसी हिस्से का रास्ता खोलता है। वे अकेले समाधान योजना आगे नहीं बढ़ा सकतीं, बल्कि उन्हें ऐसे आवेदक के साथ हिस्सा लेना होगा जो गैर-सरफेसी पहलुओं को

ऐसे में नीतिगत सख्ती और बढ़ना तय है। यह नीतिगत रुख

सबका अपना नाटकीय व्याकरण था। उनकी संवाद-अदायगी इतनी विशिष्ट थी कि साधारण वाक्य भी उनके मुंह से निकलकर यादगार बन जाता था। वे संवादों को अभिनय से बड़ा नहीं होने देते थे, बल्कि अभिनय के माध्यम से संवाद को अर्थ देते थे।

नाना की लोकप्रियता का एक अलग अध्याय 'वेलकम' है। गंभीर और आक्रामक भूमिकाओं के लिए पहचाने जाने वाले नाना ने उदय शेड्डी के रूप में ऐसी कॉमेडी की कि नई पीढ़ी भी उनकी मुरीद हो गई। उनका «कंट्रोल, उदय, कंट्रोल !- जैसे संवाद और चेहरे के हावभाव आज भी लोकप्रिय संस्कृति का हिस्सा हैं। यह उनकी अभिनय-बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण था कि जो कलाकार परिदा और क्रांतिवीर में दर्शकों को भीतर तक हिला सकता था, वहीं वेलकम में उन्हें खुलकर हंसा भी सकता था। २००० के दशक में 'अब तक छप्पन', अपहरण, शक्ति- द पावर, राजनीति जैसी फिल्मों में उन्होंने उम्र और अनुभव के साथ अपने अभिनय को और गहरा किया। अब तक छप्पन के पुलिस अधिकारी का किरदार हो या राजनीति में राजनीतिक संघर्षों के बीच खड़ा चरित्र-नाना हमेशा चरित्र की भीतरी बेचैनी को सामने लाते थे। मराठी सिनेमा में भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा। 'नटसम्राट' (२०१६) में रंगमंच के दिग्गज कलाकार की भूमिका उनके करियर की सबसे मार्मिक प्रस्तुतियों में गिनी जाती है।

नाना केवल अभिनेता बनकर संतुष्ट नहीं थे। 'प्रहार- द फाइनल अटैक' का निर्देशन करके उन्होंने यह साबित किया कि उनके भीतर निर्देशक और लेखक भी मौजूद हैं। इस फिल्म की तैयारी के दौरान उन्होंने सेना का कठोर प्रशिक्षण लिया। आगे चलकर उनका भारतीय सेना से संबंध वास्तविक जीवन का हिस्सा बन गया। वे टैरिटरियल आर्मी से जुड़े और लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद तक पहुंचे। १९९९ के कारगिल युद्ध के दौरान भी वे सैनिकों के साथ रहे। पढ़े पर देशभक्ति का अभिनय करने वाले इस कलाकार ने वास्तविक जीवन में भी सैनिकों के बीच जाकर देश के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। उनकी राष्ट्रीयता किसी नारी की तरह नहीं थी, उसमें कर्तव्य और संवेदना थी। तिरंगा, प्रहार और क्रांतिवीर जैसी फिल्मों में देश, समाज और नागरिक जिम्मेदारी के प्रश्न दिखाई देते हैं। वे देशभक्ति को केवल सीमा पर लड़ने वाले सैनिक की भावना तक सीमित नहीं मानते थे,

बल्कि ईमानदारी से अपना काम करना, कमजोर के साथ खड़ा होना और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना भी राष्ट्रसेवा का हिस्सा मानते थे। उनके व्यक्तित्व की दूसरी बड़ी विशेषता थी सादगी और सामाजिक प्रतिबद्धता। महाराष्ट्र के किसानों की समस्याओं और ग्रामीण संकट से वे गहराई से जुड़े। २०१५ में उन्होंने अभिनेता मकदंद अनासपुरे के साथ नाम फाउंडेशन की स्थापना की, जिसका उद्देश्य किसानों और सूखा प्रभावित ग्रामीण परिवारों की सहायता करना था। उन्होंने राहत एवं सामाजिक कार्यों में अधिक सहयोग भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिग्गज अभिनेता नाना पाटेकर के निधन पर शोक व्यक्त किया कि वे एक सच्चे 'क्रांतिवीर' थे जिन्होंने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। उनकी खामोशी उतनी ही असरदार थी जितनी उनकी दमदार आवाज। उन्होंने हमेशा देश-विरोधी तत्वों पर लगाम लगाने की वकालत की।

नाना पाटेकर की सबसे बड़ी खूबी यह थी कि उन्होंने स्टार बनने की कोशिश नहीं की, कलाकार बने रहे। वे ग्लैमर की दुनिया में रहते हुए भी अपनी जड़ों से कटे नहीं। गरीबी ने उन्हें संवेदनशील बनाया, रंगमंच ने अनुशासन दिया, फिल्मों ने व्यापक पहचान दी, सेना ने राष्ट्रबोध को मजबूत किया और सामाजिक कार्यों ने उनके भीतर के मनुष्य को जीवित रखा। उनके अभिनय की विश्वस्त केवल पुरस्कारों में नहीं, उम्र पात्रों में है जिन्हें उन्होंने अमर कर दिया। परिदा का आत्रा, क्रांतिवीर का प्रताप, तिरंगा का शिवाजी राव, अब तक छप्पन का पुलिस अधिकारी, नटसम्राट का गणपत बेलवलकर और वेलकम का उदय शेड्डी-ये सभी नाना के अलग-अलग चेहरे हैं, लेकिन इनके पीछे एक ही कलाकार है, जो अभिनय को दिखाता नहीं था, संवेदनशीलता के साथ जीता था। नाना पाटेकर का जीवन हमें यह संदेश देता है कि प्रतिभा अक्सर की मोहाताज नहीं होती। जिस किशोर ने कभी ३५ रुपये महीने के लिए फिल्म पोस्टर रंगे थे, वहीं आगे चलकर तीन राष्ट्रीय पुरस्कारों और पद्मश्री से सम्मानित हुआ। भारत ने एक अभिनेता खोया है, लेकिन उसकी कला, आवाज, संवाद, संघर्ष और संवेदनशील नागरिक की छवि लंबे समय तक जीवित रहेगी। नाना पाटेकर की सबसे बड़ी फिल्म शायद उनका अपना जीवन था-संघर्ष से शुरू हुई, संवेदना से समृद्ध हुई और कर्म की सच्चाई पर समाप्त हुई।

–**ललित गर्ग**

देख रहा हो।

छोटी एआरसी को पूरी तरह समाधान आवेदक के तौर पर काम करने की इजाजत नहीं देने के पीछे की वजह पूरी तरह साफ नहीं है। इससे एक बड़ा सवाल उठता है कि क्या भारत में संकटग्रस्त परिसंपत्तियों के लिए कोई बाजार है या केवल उन्हें निपटाने की कोई प्रक्रिया है? एआरसी की अधिक भागीदारी की असली परीक्षा यही है कि क्या इससे अधिक भरोसेमंद खरीदार आते हैं और कीमत तय करने की प्रक्रिया बेहतर होती है न कि केवल परिसंपत्तियों का मालिकाना हक बदल जाए।

आईबीसी को एक बाजार तंत्र के रूप में तैयार किया गया था। आईबीसी का उद्देश्य कभी भी प्रशासनिक रूप से मूल्य निर्धारित करना नहीं था। इसने बाजार को मूल्य निर्धारित करने और फिर उसे कानूनी अंतिम रूप देने की परिकल्पना की थी। विभिन्न निवेशक एक ही संकटग्रस्त परिसंपत्ति का अलग-अलग मूल्यांकन करते हैं।

एआरसी ठीक इसी कारण से बनाई गई थीं क्योंकि संकटग्रस्त संपत्तियों के लिए विशेष निवेशकों की आवश्यकता होती है। उन्हें एकत्रीकरण, विशेष मूल्यांकन, मुकदमेबाजी के प्रति सहनशीलता और सबसे बढ़कर समय की आवश्यकता होती है। वर्ष २०२१ में आरबीआई समिति ने इस बात को स्वीकार करते हुए संकटग्रस्त परिसंपत्तियों के प्रबंधन में उनकी विशेषज्ञता और परिसंपत्तियों को लंबे समय तक अपने पास रखने की क्षमता का हवाला देते हुए एआरसी को समाधान पेशेवर के रूप में कार्य करने की अनुमति देने की सिफारिश की। राष्ट्रीय परिसंपत्ति पुनर्गठन कंपनी लिमिटेड जैसी एआरसी ने बड़े पैमाने पर एकत्रीकरण की समस्या का समाधान किया है मगर वे अकेले बाजार नहीं बना सकतीं।

शायद सबसे बड़ा अंतर समय का है। बैंक अपनी पूंजी, प्रावधान और परिसंपत्ति-देयता के अंतर का आकलन संकटग्रस्त परिसंपत्ति के जीवन काल की तुलना में बहुत कम समय सीमा के आधार पर करते हैं। लेकिन जब ३३० दिनों के लिए परिकल्पित आईबीसी प्रक्रिया वर्षों तक खिंच जाती है तो बैंक का ध्यान व्यवसाय के मूल्य से हटकर तत्काल प्राप्त होने वाली राशि पर केंद्रित हो जाता है।

एआरसी इस अंतर को कम करने में मदद कर सकती हैं।

रिजर्व बैंक के सामने ब्याज दरें और बढ़ाने की गुंजाइश

में बदलाव की वजह को स्पष्ट करता है। मुद्रास्फीति के अनुमानों को देखते हुए यह मानना उचित है कि एमपीसी की दिसंबर बैठक में रीपो दर दर पुनः बढ़ाई जाएगी। इसके बाद नीतिगत कार्रवाई भविष्य के अनुमानों में संभावित बदलावों पर निर्भर करेगी जिसमें पश्चिम एशिया की स्थिति और उसका कच्चे तेल की कीमतों पर पड़ने वाला प्रभाव भी शामिल होगा।

बुधवार को जारी छमाही मौद्रिक नीति रिपोर्ट में भी रिजर्व बैंक ने २०२७-२८ में औसत मुद्रास्फीति दर ५ फीसदी रहने का अनुमान जताया है। २०२७ में मौद्रिक नीति इस बात पर भी निर्भर करेगी कि रिजर्व बैंक भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वास्तविक नीतिगत दर का कौन-सा स्तर उचित मानता है। रिजर्व बैंक के कर्मचारियों द्वारा जुलाई २०२४ में किए गए एक अध्ययन में स्वाभाविक दर (वह नीतिगत दर जो न तो अर्थव्यवस्था को गति देती है और न ही संकुचित करती है) १.४ से १.९ फीसदी के बीच रहने का अनुमान लगाया गया था।

ऐसे में ब्याज दर में लगभग १०० आधार अंक और बढ़ोतरी की गुंजाइश है। स्वाभाविक दर भले ही एक सैद्धांतिक अवधारणा है लेकिन रिजर्व बैंक के लिए समय-समय पर इसका आकलन करना उपयोगी होगा ताकि मौद्रिक नीति के निर्धारण और उस पर होने वाली बेगला को बेहतर दिशा मिल सके। एमपीसी ने चालू वित्त वर्ष के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को भी ४० आधार अंक

बढ़ाकर ७.१ फीसदी कर दिया है। अगले वित्त वर्ष में जीडीपी की वृद्धि दर ७ फीसदी रहने का अनुमान है। मजबूत आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं को देखते हुए एमपीसी मुद्रास्फीति पर काबू पाने पर ध्यान केंद्रित कर सकती है।

कुल मिलाकर आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद एमपीसी के लिए निकट अवधि की दिशा अपेक्षाकृत स्पष्ट है। हालांकि निकट अवधि में लि?क़िडिटी और मुद्रा प्रबंधन रिजर्व बैंक को व्यस्त रखेंगे। बैंकिंग पणाली में पंप्ती नकदी है जिसका मौद्रिक नीति के प्रभावी प्रसारण पर असर पड़ सकता है। मुद्रा के मोचे पर रिजर्व बैंक के महत्वपूर्ण हस्तक्षेप के बावजूद रुपया लगातार दबाव में है। यह देहना महत्वपूर्ण होगा कि रियायती स्लैप योजनाओं के माध्यम से हाल में जमा किए गए विदेशी मुद्रा भंडार में हुई बढ़ोतरी का इस्तेमाल करने के लिए रिजर्व बैंक किस हद तक तैयार होता है।

वास्तव में, रूपये में गिरावट बाहरी क्षेत्र में मौजूद असंतुलन को दूर करने में मदद कर सकती है। मौद्रिक नीति के अलावा रिजर्व बैंक ने उपभोक्ताओं से जुड़ा एक ऐसा कदम भी घोषित किया है, जिसे यहां रेखांकित करना अहम है। रिजर्व बैंक डिफॉजिटरी संस्थाओं को निवेशकों के समेकित खाता विवरण में जमा से संबंधित जानकारी शामिल करने की सुविधा दे रहा है। इससे निवेशकों को अपने वित्तीय निवेशों पर नजर रखने में मदद मिलेगी।

–**धनंजय राजौरा**

अमलतास मेडिकल कॉलेज में दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं नशामुक्ति जनजागृति कार्यक्रम आयोजित

विधायक ने किया मां कनकेश्वरी भक्त मंडल के कैलेंडर का विमोचन

15 को मां कनकेश्वरी धाम पहुंचेंगे श्रद्धालू, भंडारे का होगा आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य 25 वर्षों के सेवा काल की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं नीतिगत सुधारों को जन-जन तक पहुंचाना और नागरिकों व युवाओं को विकसित भारत 2047 के सामूहिक संकल्प से जोड़ना है।

इसी क्रम में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अमरतास मेडिकल कॉलेज परिसर में दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं नशामुक्ति जनजागृति कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर देवास सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी, भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव, जिला महामंत्री राजेश यादव तथा सेवा संकल्प अभियान प्रभारी मनीष जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों द्वारा मूक-बधिर, दृष्टिहीन एवं अस्थि बाधित बच्चों व जरूरतमंदों को कान की मशीन, ब्रेन किट और बैसाखी आदि सहायक उपकरण वितरित किए गए। इसके साथ ही विभिन्न विधाओं में

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का अवसर: 9 अक्टूबर को विशेष कैंप का आखिरी दिन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मतदाता सूची को अद्यतन, त्रुटिहीन एवं समावेशी बनाने के उद्देश्य से देवास जिले में एक माह का विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत जिले में विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 09 अक्टूबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहे हैं। विशेष कैंप के तहत 07 एवं 08 अक्टूबर को जिले के सभी मतदान केंद्रों पर विशेष कैंप आयोजित कर छूटे हुए पात्र नागरिकों एवं नवयुवाओं के नाम मतदाता सूची में जोड़ने हेतु आवेदन प्राप्त किए गए।कलेक्टर श्री ऋतु राज सिंह ने जिले के सभी नागरिकों, विशेषकर युवा वर्ग से अपील की है कि वे इस एक माह के अभियान का लाभ उठाकर मतदाता सूची में अपना नाम अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा स्पष्ट किया गया है कि प्रक्रिया को अधिक सुगम बनाते हुए इस बार प्रारूप-6 (फॉर्म-6) के साथ किसी भी प्रकार का अलग से घोषणा-पत्र लगाना अनिवार्य नहीं है। संबंधित बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को भी निर्देशित किया गया है कि वे पात्र मतदाताओं से फॉर्म-6 के साथ अनावश्यक घोषणा-पत्र की मांग न करें।18-19 वर्ष के युवाओं और छूटे नागरिकों पर विशेष फोकसअभियान के अंतर्गत ऐसे युवा जिनकी आयु 18 से 19 वर्ष पूर्ण हो चुकी है अथवा जो 01 जनवरी 2027 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूरी कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए पात्र हैं। युवा वर्ग मतदान केंद्र, बीएलओ तथा अपने विद्यालय व महाविद्यालयों में भी निर्धारित प्रारूप में आवेदन जमा कर सकते हैं।

जिला स्तरीय सेवोत्तम प्रशिक्षण आयोजित, 30 विभागों के अधिकारियों ने लिया प्रशिक्षण

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग तथा आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी, भोपाल के मार्गदर्शन में, कलेक्टर एवं मुख्य कार्यापालन अधिकारी, जिला पंचायत सीहोर के निर्देशानुसार बुधवार को ई-दक्ष केन्द्र, कार्यालय कलेक्टर, जिला सीहोर में जिला स्तरीय सेवोत्तम प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में जिले के लगभग 30 विभागों के सीएम हेल्पलाइन प्रभारियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण का संचालन सेवोत्तम मास्टर ट्रेनर श्री बबिन मिश्रा द्वारा किया गया। प्रशिक्षण के दौरान 'सेवोत्तम क्या है एवं इसकी आवश्यकता क्यों है' विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि सेवोत्तम का मूल उद्देश्य शासकीय सेवाओं को अधिक नागरिक-केंद्रित, पारदर्शी, जवाबदेह, प्रभावी एवं समयबद्ध



उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चों को सम्मानित भी किया गया।

सांसद ने खेला कैरम और चेस, बढ़ाया बच्चों का उत्साह- आयोजन के दौरान सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने बच्चों के साथ कैरम, चेस और लूडो जैसे खेल खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया। सांसद को अपने बीच पाकर बच्चों में अद्भुत उत्साह देखने को मिला। अमलतास विशेष विद्यालय के बच्चों ने अपनी मनमोहक नृत्य कला से सभी का मन मोह लिया। वहीं, दृष्टिहीन बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक गीतों और उनके गजब के हौसले को देखकर उपस्थित लोग आश्चर्यचकित और भावविभोर हो गए।

टीबी को खत्म करना स्वास्थ्य विभाग के साथ-साथ हमारी भी जिम्मेदारी: भीमावद जिले की 153 पंचायतों को मिला टीबी मुक्त का सम्मान



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत 2025 पुरस्कार समारोह हुआ। विधायक की उपस्थिति में टीबी उन्मूलन के लिए अच्छा काम करने वाली पंचायतों को सम्मानित किया गया। जिन्होंने इन पंचायतों को गोल्ड, सिल्वर और ब्रांज सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक अरूण

दिव्यांग बच्चों की सेवा करना ईश्वरीय कार्य- अपने संबोधन में सांसद महेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा, 17 सितंबर (प्रधानमंत्री जी के जन्मदिन) को सेवा संकल्प के रूप में मनाना चाहिए। दिव्यांग बच्चों की सेवा करना ईश्वरीय कार्य के समान है। जिस तमयता और जज्बे के साथ आज बच्चों ने गायन व प्रस्तुतियां दी हैं, वह अनुभूति वाकई अद्भुत है। सांसद महोदय ने सभी प्रतिभाशाली बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप 1,000-1,000 रुपये की सेवा राशि देने की घोषणा की।

भाजपा जिलाध्यक्ष रायसिंह सेंधव ने कहा कि इन बच्चों की सेवा ही भगवान की सेवा है। माननीय प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस अभियान के तहत जो सेवा कार्य हो रहे हैं, वे दुष्ट संकल्प के साथ किए जा रहे हैं और केंद्र सरकार हमेशा इनके साथ खड़ी है। कार्यक्रम में एडिशनल सीईओ श्री श्याम सुंदर , देवास दृष्टिहीन विभाग अधिकारी श्री

सलूजा, आभार व्यक्त समग्र सुरक्षा अधिकारी श्रीमती महिमा जैन , अमलतास मेडिकल कॉलेज डीन डॉ. ए.के. पीठवा, अमलतास विशेष विद्यालय की प्राचार्या डॉ. भारती लाहोरिया, मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रत्ना शर्मा, कार्यक्रम समन्वयक श्री अश्विन तंवर, श्री विजय जाट एवं श्री कमल पांचाल सहित कई अधिकारी व गणमान्य जन उपस्थित रहे। अमलतास ग्रुप के चेअरमैन श्री मयंक राज सिंह भदौरिया जी द्वारा बताया गया की अमलतास परिवार सदैव समाज के हर वर्ग, विशेषकर हमारे प्रतिभाशाली दिव्यांग बच्चों के सर्वांगीण विकास और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से हमें इन बच्चों की अद्भुत प्रतिभा, अटूट हौसले और ऊर्जा को करीब से महसूस करने का अवसर मिला।

हमारा उद्देश्य केवल उत्कृष्ट चिकित्सा और शिक्षा सेवाएं प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाना और विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय संकल्प में अपना सक्रिय योगदान देना है। अमलतास संस्थान भविष्य में भी ऐसे जनसेवा और जनकल्याण के कार्यों के लिए पूरी निष्ठा के साथ समर्पित रहेगा।

मीडिएशन नेशन 3.0 अभियान के तहत जिला न्यायालय देवास में विशेष मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मध्यस्थता से समय और धन की बचत के साथ विवादों का सौहार्दपूर्ण एवं अंतिम समाधान संभव

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देवास द्वारा जिला न्यायालय परिसर में 'मीडिएशन नेशन 3.0' अभियान के तहत विशेष मध्यस्थता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों में लंबित मामलों के त्वरित, सुलभ एवं आपसी सामंजस्य से समाधान के लिए मध्यस्थता प्रक्रिया को बढ़ावा देना तथा आमजन को मध्यस्थता के लाभों के प्रति जागरूक करना रहा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री कपिल मेहता ने कहा कि 'मीडिएशन नेशन 3.0' पहल का उद्देश्य पक्षकारों को लंबे समय तक चलने वाले अदालती विवादों से राहत दिलाना है। मध्यस्थता के माध्यम से दोनों पक्षों की सहमति से विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान किया जाता है। इससे समय एवं धन की बचत होने के साथ ही पक्षकारों के बीच की कटुता समाप्त होती है और आपसी संबंधों में मधुरता बनी रहती है। उन्होंने मध्यस्थता प्रक्रिया की उपयोगिता बताते हुए कहा



कि यह विवादों के समाधान का सरल, प्रभावी और सहयोगात्मक माध्यम है, जिसमें पक्षकार अपनी सहमति से समाधान तक पहुंचते हैं। मध्यस्थता के माध्यम से हुए समझौते का प्रभाव न्यायालय के निर्णय के समान होता है तथा सामान्यतः उसके विरुद्ध अपील का प्रावधान नहीं होता। इससे विवाद का अंतिम एवं स्थायी निस्तारण संभव होता है। मध्यस्थता की प्रक्रिया गोपनीय रहती है। पक्षकारों की सुविधा एवं सहमति

के अनुसार संवाद के माध्यम से विवाद का समाधान खोजा जाता है, जिससे न्यायालयीन प्रक्रिया में लगने वाले समय की बचत होती है। मध्यस्थता में दोनों पक्षों के हितों को ध्यान में रखते हुए आपसी सहमति से समाधान निकाला जाता है। इससे विवाद का सौहार्दपूर्ण समाधान होने के साथ भविष्य के संबंध भी बेहतर बने रहते हैं।

कार्यक्रम में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री जितेन्द्र सिंह कुशह, प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री उमाशंकर अग्रवाल, द्वितीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश श्री प्रसन्न सिंह बहरावत, अतिरिक्त जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश डॉ. रविकांत सोलंकी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री रोहित श्रीवास्तव, सचिव जिला अधिवक्ता संघ देवास श्री चंद्रपाल सिंह सोलंकी सहित अन्य न्यायाधीशगण, प्रशिक्षित मध्यस्थ, अधिवक्ता मध्यस्थगण एवं सामुदायिक मध्यस्थगण उपस्थित रहे।

“बाबा की सरकार” में नजर आएगा मालवा का छोरा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सोशल मीडिया पर धूम मचाने के बाद अब बड़े पर्दे के कलाकार बन चुके मालवा के रहने वाले राहुल पाटीदार फिर बड़े पर्दे पर नजर आएंगे जो अब अपनी नई फिल्म बाबा की सरकार बनाने जा रहे हैं। अपनी इस फिल्म की सफलता के लिए कलाकार राहुल पाटीदार ने बागेश्वर धाम पहुंचकर बाबा बागेश्वर से आशीर्वाद लिया और अपनी नई फिल्म के बारे में चर्चा की।

सोशल मीडिया के इंफ्लुएंसर शाजापुर जिले के ग्राम मोरटा निवासी राहुल पाटीदार और शिवानी पाटीदार की जोड़ी काफी प्रचलित है जिन्होंने सोशल मीडिया पर काफी सुर्खियां बटोरी है और गत वर्ष ही उन्होंने बड़े पर्दे पर कदम रखते हुए वहां भी अपनी अदकारी का लोहा मनवाया जिन्होंने राहुल का



स्वयंवर फिल्म बनाई थी। इस फिल्म में कई कलाकारों ने काम किया था। खास बात यह थी कि मालवा के इन कलाकारों ने महानगरों और

विदेशों से दूरी बनाते हुए अपने क्षेत्र मालवा को प्रमोट करने का लक्ष्य रखते हुए अपनी फिल्म की शूटिंग मालवा में ही पूरी की थी। जिसने काफी सफलता अर्जित की थी और लोग उस फिल्म को लिंक व अन्य साधनों के माध्यम से आज भी देखना पसंद करते हैं। राहुल का स्वयंवर की सफलता के बाद अब राहुल पाटीदार और उनकी टीम बाबा की सरकार बनाने जा रहे हैं जो एक सच्ची घटना पर आधारित है।

सच्ची घटना पर आधारित है बाबा की सरकार- यह फिल्म बैजनाथ महादेव के परम भक्त वकील साहब की कहानी पर आधारित है जिन पर महादेव की असीम कृपा थी और वकील साहब की जगह एक बार खुद महादेव केस लड़ने गए थे। इस चमत्कार और महादेव की भक्ति पर आधारित इस फिल्म बाबा की

सरकार में राहुल पाटीदार मुख्य भूमिका में रहेंगे और इस फिल्म का निर्देशन देव प्रजापति कर रहे हैं। वहीं इस फिल्म में जाने माने कलाकार राजपाल यादव, अभिनेत्री आशी जैन नजर आएंगी। जबकि फिल्म में बापजी का किरदार कलाकार अनिल राय निभाएंगे तो रवि चौधरी भी इस फिल्म में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे जो इस फिल्म में अभिनेत्री आशी जैन के ब्याप फेंड की भूमिका में नजर आएंगे।

बाबा बागेश्वर से मिले कलाकार, लिया आशीर्वाद- अपनी फिल्म की सफलता के लिए राहुल पाटीदार ने बागेश्वर धाम पहुंचकर बाबा बागेश्वर से आशीर्वाद लिया और उन्हें अपनी फिल्म की कहानी के बारे में विस्तार से बताया। बाबा बागेश्वर ने भी उनकी इस फिल्म की कहानी सुनकर खूब प्रशंसा की और सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

टेक्नो उदय के दूसरे दिन भी विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

कार्यक्रम में दिखा रचनात्मक सोच और तकनीक कौशल का नजारा



शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में टेक्नो उदय के दूसरे दिन भी विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी रचनात्मक सोच और तकनीक कौशल का नजारा पेश किया। जिन्होंने विभिन्न प्रकार के मॉडल बनाकर सभी को अपनी प्रतिभा से परीचित कराया।

प्रतियोगिता में शासकीय पालीटेक्निक कॉलेज, आईटीआई कॉलेज, पॉलिटेक्निक कालेज उज्जैन तथा शाजापुर विद्यालय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इनमें सीएम राइस स्कूल, कौटिल्य स्कूल, केंद्रीय विद्यालय शाजापुर सहित अन्य

पालिटेक्निक प्राचार्य डॉ. विपुल परमार्थी निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहे। निर्णायकों द्वारा विद्यार्थियों के मॉडल की नवीनता, उपयोगिता, तकनीकी दक्षता एवं प्रस्तुति के आधार पर मूल्यांकन किया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को मिलेगें पुरस्कार- इस प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण समारोह 10 अक्टूबर को आयोजित किया जाएगा। प्रतियोगिता में कॉलेज एवं स्कूल विद्यार्थियों के लिए पृथक-पृथक पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। दोनों श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार 5 हजार, नगद, द्वितीय पुरस्कार 3 हजार, तृतीय पुरस्कार 2 हजार नगद प्रदान किए जाएंगे।

विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कलेक्टर ने किया प्रोत्साहित- आयोजन के दूसरे दिन गुरुवार को कलेक्टर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुई जिन्होंने प्रत्येक प्रतिभागियों से मुलाकात कर उनके प्रोजेक्ट देखे और प्रशंसा कर सभी को आगे बढ़ने हेतु प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में देवास पॉलिटेक्निक प्राचार्य डॉ. सोनल भाटी, पंचोर पॉलिटेक्निक प्राचार्य अतुल चौहान तथा शाजापुर

फोरलेन निर्माण बन रहा लोगों के लिए मुसीबत



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में फोरलेन निर्माण का कार्य अत्यंत धीमी गति से चल रहा है। जिसके चलते दिनभर धूल के गुबार उड़ रहे हैं। न दिन में लोगों को चैन मिल रहा है और न ही रात में। लोगों ने कई बार इसे लेकर

अधिकारियों को शिकायत की लेकिन आज तक सुनवाई नहीं हुई। फोरलेन सड़क निर्माण से आम जनता परेशान है। निर्माण एजेंसी की लापरवाही के कारण धूल और जाम की समस्या बढ़ गई है। जिला मुख्यालय का यह मार्ग रोज हजारों लोगों के लिए दिक्कत पैदा कर रहा है। सुरक्षा और यातायात के सही इंतजाम नहीं किए जा रहे हैं। मझानिया निवासी चंद्रशंहर सिंह सोराष्ट्रीय ने बताया कि निर्माण के दौरान मिट्टी और सामग्री सड़क किनारे छोड़ दी गई है। पानी का छिड़काव न होने से दिनभर धूल उड़ती है। इससे लोगों को परेशानी हो रही है। मलबे के कारण यातायात पर असर पड़ रहा है और बार-बार जाम लग रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक समस्या को लेकर कलेक्टर और अधिकारियों को कई बार जापान दिए गए, लेकिन कोई सुधार नहीं हुआ। स्थानीय स्तर पर सुनवाई न होने के बाद अब ग्रामीणों ने भोपाल में पीडब्ल्यूडी मंत्री से मिलने का फैसला किया है। वे चाहते हैं कि निर्माण एजेंसी सुरक्षा इंतजाम करे और लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई हो। ग्रामीणों ने बताया कि वे भी चाहते हैं कि शहर का विकास हो और सभी को सुगम आवागमन मिले। लेकिन इससे हो रही समस्या का समाधान तो हो।

वायु सेना दिवस पर पीटीएम में लगाई नशा मुक्ति प्रदर्शनी



शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। वायुसेना दिवस के अवसर पर बरेछ मंडी स्थित एडवांस एकेडमी में नशा मुक्ति पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। यह प्रदर्शनी युवकों को विद्यालय में आयोजित पीटीएम पर लगाई गई ताकि अभिभावक भी प्रेरित होकर अन्य लोगों को नशा मुक्ति हेतु जागरूक कर सकें।

अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ और सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त तत्त्वबधान में पवित्र वसुधा लोक कल्याण समिति के आन्धान पर यह आयोजन किया गया। जिसका उद्देश्य था कि नशा मुक्त भारत की परिकल्पना में आम नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके। प्रदर्शनी देखने के बाद आमजन की समाज को नशामुक्त करने के इस अभियान में सहयोगी बनें, जिससे अभियान का उद्देश्य जन-जन तक पहुंचे। प्रदर्शनी कार्यक्रम के संयोजक अखिल विश्व गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ प्रतिनिधि व अभियान प्रभारी मनोजकुमार जायसवाल, विद्यालय संचालक प्रकाश पाटीदार एवं प्रियंका पाटीदार ने बताया कि इस नवीन पहल के लिये सभी पालकों ने विद्यालय परिवार एवं प्रदर्शनी के आयोजकों का हृदय से आभार व्यक्त किया और आग्रह किया की ऐसे आयोजन समाज में जागरूकता लाते हैं, इन्हें समय-समय पर आयोजित करते रहना चाहिये।

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराडाल। अत्यवर्षा के चरिते किसानों के बोहिंग प्रभावित होने, पर्याप्त बिजली नहीं मिलने और ट्रॉंसफार्मर समस्य पर उपलब्ध नहीं होने की समस्याओं को लेकर क्लॉक काउंस एंव नगर काउंसिल के मुखमंडली के नाम एसडीएम को ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में देपालपुर क्षेत्र से गुजर रही नर्मदा धापटगहन को सिंचाई के लिए चालू करने, बर्नोडिया, यशवंत सागर सहित अन्य तालाबों में पानी छोड़ने तथा जलले ट्रॉंसफार्मर, लीड-जंपर की समस्याओं का तत्काल निराकरण करने की मांग की गई। इस दायन मोतिंसिंह पटेल, संतोष ठाकुर, कृपाराम सोलंकी, मीरबिजो जोगी, जितेंद्र ठाकुर, राजेश बड़वाया, मनीष खान सहित बड़ी संख्या में काउंसिलन मौजूद रहे। संचालन राजेश बड़वाया ने किया।

हाथी पर आएंी मां दुर्गा... नवरात्रि में बनेंगे 5 विशेष योग

11 अक्टूबर से शुरू होगी नौ दिवसीय आराधना- 19 को कन्या पूजन और 20 अक्टूबर को दशहरा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शारदीय नवरात्र इस बार पूरे नौ दिन मनाए जाएंगे। 11 अक्टूबर से शुरू होकर 20 अक्टूबर को दशहरे के साथ पर्व का समापन होगा। इस बार किसी भी तिथि का क्षय नहीं होने से नवरात्र में पूरे नौ दिनों तक मां दुर्गा की आराधना होगी। रविवार को चित्रा नक्षत्र में घट स्थापना होगी। धार्मिक मान्यता के अनुसार रविवार से नवरात्र शुरू होने पर देवी का वाहन हाथी माना जाता है। हाथी पर मां के आगमन को सुख-समृद्धि, आर्थिक प्रगति और सकारात्मक बदलाव का संकेत माना गया है।

पंडित अमर डिंबेवाला के अनुसार इस बार नवरात्र में एक अमृत सिद्धि योग, दो सर्वार्थ सिद्धि योग और दो रवि योग बनेंगे। इन शुभ योगों में देवी की साधना और उपासना के साथ भूमि, भवन, वाहन सहित अन्य शुभ कार्य करना विशेष फलदायी माना जाता है।

बस-बाइक की भिड़ंत, 2 की मौत, 1 की गंभीर घायल

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कनीपुरा मार्ग पर गुरुवार सुबह 11 बजे के लगभग बस और बाइक की भिड़ंत हो गई। बाइक सवार ओवरटेक करने का प्रयास कर रहे थे। 2 की मौके पर मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हुआ है।

शहर के मार्गों पर लगातार सड़क दुर्घटना में लोगों की जान जाने के मामले सामने आ रहे हैं सुबह भी कानीपुरा मार्ग पर ग्राम देवन खेड़ी के पास बस और बाइक के बीच भिड़ंत हो गई। बाइक पर 3 ग्रामीण सवार थे जिसमें से दो की मौके पर मौत हो गई। एक गंभीर रूप से घायल हुआ है जिसकी हालत नाजुक बनी हुई है। दुर्घटना की जानकारी लगते ही एंबुलेंस और पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। बस उज्जैन से तराना की ओर जाना सामने आया। बताया जा रहा था कि बाइक सवार सामने से आ रहे थे उन्होंने एक आईसर को ओवरटेक करने का प्रयास किया और सीधे बस के सामने आकर टकरा गए। मृतकों की पहचान मांगीलाल पिता देवीलाल परमार 70 साल, मनोहर पिता सुखराम के रूप में हुई है घायल का नाम शंकर पिता पन्नाजी सामने आया है। घायल और मृतक तराना तहसील के ग्राम बिशन उज्जैन के रहने वाले थे तीनों बाइक से उज्जैन कृषि उपज मंडी आ रहे थे। पुलिस द्वारा बस जप्त कर ली गई है बस में सवार यात्री दूसरे परिवहन संसाधनों से अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए हैं।

भैंस चराने निकली महिला की कुएं में मिली लाश

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भैंस चराने निकली महिला शाम को घर नहीं लौटी तो परिवार तलाश में निकला। उसकी लाश खेत पर बने कुएं से मिलना सामने आया। आज सुबह पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच में लिया है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवजनों को सौंपा गया है। घट्टिया थाना क्षेत्र के ग्राम गुराड़िया गुर्जर में रहने वाली राधाबाई पति देवीसिंह 40 साल 4 बेटी और 1 बेटे की मां थी। पति मजदूरी करता है। राधाबाई भी मवेशी चराने का काम करती थी। कल वह घर से मवेशी लेकर निकली थी। शाम को मवेशी घर लौट गए लेकिन राधाबाई नहीं लौटी। परिवजनों ने उसकी तलाश शुरू की। खेत पर पहुंचने के बाद कुएं के समीप उसका एक जूता दिखाई दिया।

श्राद्ध पक्ष में सूने पड़े संजा के मांडने

कभी हर गली में गुंजते थे संजा के गीत- अब पुराने शहर के घरों के बाहर भी नहीं दिख रही गोबर से बनी आकृतियां

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्राद्ध पक्ष में इन दिनों पितरों के मोक्ष और सुख-समृद्धि के लिए घरों में धूप-ध्यान, पवित्र नदियों के किनारे तर्पण-पूजन और दान-पुण्य का दौर चल रहा है। इसी श्राद्ध पक्ष से जुड़ी मालवा-निमाड़ की एक खास लोक परंपरा संजाअब उज्जैन में लगभग विलुप्त होने की कगार पर है।

एक समय था जब श्राद्ध पक्ष शुरू होते ही पुराने शहर की गलियों में घरों की बाहरी दीवारों और मुख्य प्रवेश द्वार के पास संजा के मांडने नजर आने लगते थे। कुंवारी कन्याएं और महिलाएं लकड़ी के पट्टिए पर गोबर से रोज अलग-अलग आकृतियां बनाकर उनकी पूजा करती थीं। शाम को संजा के गीत गाए जाते और प्रसाद बांटा जाता था। पूरे 16 दिन यह परंपरा उत्सव की तरह निभाई जाती थी।

पुराने शहर में भी अब नहीं दिखते मांडने- उज्जैन के मालीपुरा, जयसिंहपुरा, अंकपात मार्ग और

नवरात्र को लेकर उज्जैन के देवी मंदिरों में भी तैयारियां शुरू हो गई हैं। हरसिद्धि मंदिर सहित प्रमुख देवी मंदिरों में विशेष पूजन-अनुष्ठान की तैयारियां की जा रही हैं।

आर्थिक व्यवस्था में बदलाव का संकेत- ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार हाथी पर माता का आगमन आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जाता है। पंडित डिंबेवाला के अनुसार वित्तीय व्यवस्था, अर्थव्यवस्था और न्याय व्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों में समय के साथ बदलाव देखने को मिल सकते हैं। हालांकि यह धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यता पर आधारित व्याख्या है।

सर्वार्थ सिद्धि योग में खरीदारी और नए काम शुभ- नवरात्र के दौरान बनने वाले सर्वार्थ सिद्धि योग को शुभ कार्यों के लिए अनुकूल माना जाता है। इस योग में नया व्यापार शुरू करना, नौकरी या नए प्रोजेक्ट की शुरुआत

चलती ट्रेन में रेलवे कर्मचारी बनकर चोरी, अंतरराज्यीय गैंग का पर्दाफाश

आरपीएफ ने यूपी-बिहार में दबिश देकर सरगना समेत 3 आरोपियों को पकड़ा, 7 लाख से ज्यादा का माल बरामद

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। चलती ट्रेनों के एसएलआर कोच में मेटेन्रेस कर्मचारी बनकर घुसने और कटर से लोहे व प्लाई की दीवार काटकर पार्सल चोरी करने वाली अंतरराज्यीय गैंग का आरपीएफ ने पर्दाफाश किया है। आरपीएफ उज्जैन, सूरत क्राइम ब्रांच और मुंबई मंडल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए गैंग के सरगना समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे और सरगना के वाराणसी स्थित गोदाम से 5.60 लाख से अधिक के रेडीमेड लेडीज गार्मेंट्स तथा करीब 1.50 लाख की आर्टिफिशियल ज्वेलरी बरामद की गई है।

मामला 19 सितंबर का है। ट्रेन नंबर 15569 अहमदाबाद-दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस के एसएलआर कोच को कटर से काटकर आर्टिफिशियल ज्वेलरी के पार्सल चोरी किए गए थे। इसी तरह मुंबई मंडल की एक ट्रेन में एसएलआर से रेडीमेड लेडीज गार्मेंट्स चोरी होने की घटना सामने आई। लगातार सामने आ रही वारदातों को गंभीरता से लेते हुए पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर संयुक्त टीम गठित की गई। जांच में सामने आया कि गैंग के सदस्य रेलवे के मेटेन्रेस कर्मचारियों जैसी ड्रेस पहनकर ट्रेन में सवार होते थे। इसके बाद इलेक्ट्रिक कटर से एसएलआर कोच की प्लाईवुड और लोहे की चादर काटकर अंदर प्रवेश करते और पार्सल चोरी कर लेते थे। यात्रियों और आसपास

करना शुभ माना जाता है। इसके अलावा भूमि, मकान, वाहन, सोने-चांदी के आभूषण और इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी भी की जा सकती है। अमृत सिद्धि योग में भी शुभ कार्यों का विशेष महत्व बताया गया है। इस दौरान बड़ी व्यावसायिक डील, कारोबार से जुड़े अनुबंध, नौकरी के प्रयास और आजीविका से संबंधित यात्राएं करना शुभ माना जाता है।

18 की रात से 19 की सुबह तक अष्टमी तिथि - पंचांग के अनुसार अष्टमी तिथि 18 अक्टूबर को सुबह 8.27 बजे शुरू होगी और 19 अक्टूबर को सुबह 10.51 बजे तक रहेगी। जिन घरों में रात के समय अष्टमी पूजन की परंपरा है, वहां 18 अक्टूबर की शाम 3 से 5 बजे के बीच पारंपरिक पूजन किया जा सकता है। वहीं सुबह पूजन करने वाले श्रद्धालु 19 अक्टूबर को सुबह 10.51 बजे से पहले अष्टमी पूजन कर सकेंगे।

मौजूद लोगों को आरोपी रेलवे कर्मचारी ही नजर आते थे। वारदात के बाद आरोपी ट्रेन के बीच रास्ते में उतरकर फरार हो जाते थे। वाराणसी से सरगना, मुंगेर से दो आरोपी गिरफ्तार- संयुक्त टीम ने तकनीकी जांच और

लगातार दबिश के बाद मास्टरमाइंड अनिल पटेल को वाराणसी से गिरफ्तार किया। वहीं मोहम्मद जाहिद और मोहम्मद विकी को बिहार के मुंगेर से पकड़ा गया। पृच्छाछ में अनिल पटेल के गिरोह का मुख्य सरगना होने और विकी, जाहिद सहित अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदातों को अंजाम देने की जानकारी सामने आई।

सरगना के वाराणसी स्थित गोदाम की तलाशी में रेलवे से चोरी किए गए 5.60 लाख से अधिक कीमत के रेडीमेड लेडीज गार्मेंट्स बरामद हुए। वहीं दूसरी वारदात में चोरी की गई करीब 1.50 लाख की आर्टिफिशियल ज्वेलरी भी बरामद की गई है।

मामले में दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। टीम में एसआई यशपाल सिंह, एसएसआई साजिद हुसैन, प्रधान आरक्षक कमल सिंह और राजाराम यादव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्रवाई में आरपीएफ क्राइम ब्रांच सूरत के निरीक्षक अशोक कुमार, आरपीएफ उज्जैन निरीक्षक नरेंद्र यादव और अमलनेर निरीक्षक सत्यजीत की टीम शामिल रही।

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

19 को कन्या पूजन, अभिजीत मुहूर्त में भी अवसर- कन्या पूजन के लिए 19 अक्टूबर को सूर्योदय से सुबह 10.51 बजे तक का समय बताया गया है। यदि इस अवधि में कन्या पूजन नहीं हो सके तो दोपहर 11.43 से 12.30 बजे तक अभिजीत मुहूर्त में कन्या भोज कराया जा सकता है। इस दौरान नवमी तिथि शुरू हो चुकी होगी, लेकिन शास्त्रीय मान्यता के अनुसार अभिजीत मुहूर्त को शुभ माना गया है।

20 अक्टूबर को दशहरा- नवमी तिथि 19 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे शुरू होकर 20 अक्टूबर को सुबह करीब 10 बजे तक रहेगी। इसके बाद दशमी तिथि शुरू हो जाएगी। इसी कारण इस बार 20 अक्टूबर को दशहरा पर्व मनाया जाएगा। इस तरह नौ दिनों की देवी आराधना के बाद विजयादशमी के साथ नवरात्र पर्व का समापन होगा।

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

मालवा हेराल्ड

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026

उज्जैन, शुक्रवार 09 अक्टूबर 2026